हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) | DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय - प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 72 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 24 दिसम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

रामघाट में लिया कालाभाटा से जल

मंदसौर नगरपालिका द्वारा सोमवार को रामघाट बांध पर कालाभाटा डेम से 10 फीट पानी लिया गया है। इधर पशुपतिनाथ महादेव मंदिर की छोटी पुलिया से रामघाट के बीच संग्रहित पानी को उलेचने के लिए नगर पालिका द्वारा दो मोटर लगाकर पानी रामघाट बैराज में उड़ेला जा रहा है।

अवैध निर्माण: नप सकते है कई अधिकारी भी

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद कईयों पर लटकी तलवार, निर्माण गिराने के साथ अधिकारियों पर भी कार्रवाई के निर्देश

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सुप्रीम कोर्ट द्वारा अवैध निर्माण के मामले में सुनाए गए फैसले के बाद मंदसौर जिले में कई अधिकारी भी कार्रवाई के घेरे में आ गए है। अभी तक निर्माण होने के बाद ठंडे बस्ते में डालकर नोटिस-नोटिस का खेल खेला जा रहा है। लेकिन, अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसले में कहा कि प्रशासनिक देरी, समय बीतने या निवेश के कारण कोई अवैध निर्माण वैध नहीं हो सकता। शीर्ष कोर्ट ने देश में अवैध निर्माण से निपटने, शहरी विकास योजनाओं व प्रवर्तन लागू करने के लिए जनहित में समग्र दिशा-निर्दे श जारी किए हैं। कोर्ट ने साफ कहा है कि ऐसे अवैध निर्माण को गिराने के साथ दोषी अधिकारी पर भी कार्रवाई होना चाहिए। जस्टिस जेबी पारदीवाला व जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने मेरठ में एक रिहायशी भूमि पर बने अवैध व्यावसायिक निर्माण के ध्वस्तीकरण को सही ठहराते हुए कहा, शहरी योजना से जुड़े कानूनों व अधिकारियों की जिम्मेदारियों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है।

पहले बात मंदसौर की...

नगरपालिका एक सीधे से फार्मूले पर काम करती आई है। गरीब जहां भी दिखे बिना कोई नोटिस दिखे तुरंत हटाओ वहीं बाकी शहर में जो भी अवैध निर्माण करें, नक्शे के विपरीत या एमओएस का उल्लंघन करे उन्हें सम्मानजनक रुप से नोटिस देकर फाइल को हमेशा के लिए बंद कर दी जाए। इसमें भी नपा के अफसर मिलकर खेल कर रहे हैं। नोटिस भी केवल उगाई के हिसाब से दिए जा रहे हैं। नगर पालिका में लगभग 40 से अधिक फाइलें हैं। जिनमें एमओएस का उल्लंघन, नक्शे के विपरीत निर्माण व अवैध रुप से मंजिलें बढ़ाने के कार्य हुए हैं। पर, कथित भ्रष्टाचार के चलते किसी पर कार्रवाई नहीं हो हो पाई।

कागजों में पालन होते नियम...

नगर पालिका में अनुमति लेने के लिए फाइलें तैयार होती है। उसमें नक्शे में एमओएस भी छोड़ा जा रहा है। इसके अलावा कागजों में सभी औपचारिकताए पूर्ण होती है। हर मंजिल का मापदंड के अनुसार ही नक्शा बनाया जा रहा है। निर्माण अनुमति पर भी नपा के पटवारी मौका रिपोर्ट लगाते हैं तो उपयंत्री व सहायक यंत्री के जरिये वह सीएमओ के हस्ताक्षर तक पहुंचती है। इसका मतलब यह हुआ कि सभी को पता रहता है कि शहर के मुख्य मार्गों पर कहां क्या बनना है। लेकिन, बात जब मौके पर निर्माण की आती है तो स्वीकृत नक्शा तो एक तरफ रख दिया जाता है और एमओएस छोड़ना तो दूर की बात है, आसपास की खाली पड़ी जमीन भी घेरने की कवायद शुरु हो जाती है। जबकि, इन सभी मार्गों से प्रतिदिन नपा के इंजीनियर भी निकलते हैं और पटवारी भी। सिर्फ एमओएस जो कि दिखाई देता है, इसी की बात करें तो शहर में यूं तो 80 प्रतिशत घरों व व्यवसायिक संस्थानों के निर्माण में एमओएस का उल्लंघन हुआ है। किन्तु, 40 से 50 भवन ऐसे भी बने हैं जो पूरी तरह सरकारी नियमों का मखौल उड़ा रहे हैं। शहर में महू-नीमच राजमार्ग, महाराणा प्रताप बस स्टैंड के पास, बड़े के सामने, रामटेकरी से मोतियाखाई जाने वाले मार्ग पर, घंटाघर, कालीदास मार्ग सहित सभी मुख्य मार्गों पर भवनों का निर्माण करने वालों को नोटिस दिए। लेकिन, नोटिस-नोटिस के बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

मंदसौर में नहीं हो रहा सुप्रीम कोर्ट के आर्डर के असर...

मुंह चिढ़ा रही माल गोदाम रोड़ पर सीना ताने खड़ी बिल्डिंगे

हालांकि, मंदसौर शहर में सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद भी कोई असर नहीं हो रहा हैं। शहरी विकास मंत्रालय से लेकर नगर पालिका, टीएनसी सहित कई विभागो द्वारा दी गई अनुमति निरस्त किए जाने के बाद भी कई बिल्डिंगे सीना ताने खड़ी है और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी यहां प्रशासन को चिढ़ा रही है। लेकिन, इन अवैध रूप से निर्मित भवनो पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। जबकि, कई मामलो में इन अवैध निर्माणो को टीएल में भी लिया गया है। किन्तु, रसूख के आगे नपा के कारिंदे असहाय महसूस कर रहे है और प्रशासन भी आंखे मूंदे बैठा है।

यह उदाहरण बता रहे मंदसौर नपा की हालत...

✻ महू-नीमच राजमार्ग पर कंट्रोल रुम के समीप एक प्लाट पर निर्माण के लिए तीन अलग-अलग अनुमतियां ली गई। जिसमें दुकान व ऑफिस का नक्शा लगाया गया। पर मौके पर सबसे पहले बेसमेंट बना, फिर ग्राउंड फ्लोर पर दुकानें बन गई और ऊपर होटल बन गया। निर्माण के समय भी कोई रोकने नहीं पहुंचा। जब भी नपा में शिकायत हुई तत्कालीन पटवारी व उपयंत्री ने शिकायत करने वालों को ही बनवाने वालों से मिलवा दिया।

✻ इसी तरह रामटेकरी से मोतियाखाई जाने वाले मार्ग पर भी एक चार मंजिला व्यवसायिक भवन बन गया है। जिसके लिए न तो रेरा में रजिस्ट्रेशन कराया गया है और 60 मीटर से ज्यादा ऊंचाई हो गई है। इसके अलावा इन भवनों में नक्शो की अनुमति अलग है और मौके पर निर्माण अलग किया गया है। ✻ शहर में किटियानी से सटी कॉलोनी मंगलम विहार में कोई भी रोड सात मीटर से चौड़ा नहीं है। इसके बाद भी यहां पांच मंजिला भवन तैयार हो गया है। जिसकी आधी मंजिलों की अनुमति ही नहीं है। पर नगर पालिका में एक कर्मचारी की शह पर यह भवन तैयार हो गया और कोई इसे रोकने भी नहीं पहुंचा। ✻ नगर पालिका से चंद कदम की दूरी पर बड़े अस्पताल के सामने बने पांडव मार्केट में ऊपर की दो मंजिलों के अवैध निर्माण के चलते नपा के इंजीनियरों ने 56 लाख रुपए की रिकवरी निकाली थी। सालों बाद भी नपा न तो पूरे रुपए वसूल पाई है और न ही ऊपर की दो मंजिलों को गिरा पाई है। ✻ रेलवे स्टेशन रोड पर स्थित तिरुपति प्लाजा की निर्माण अनुमति भी 60 मीटर तक ऊंचाई की थी। इसके बाद भी वहां सबसे ऊपर मल्टीप्लेक्स का निर्माण किया गया। जब-जब भी उनकी शिकायत हुई जिम्मेदार अवैध निर्माण हटाने के बजाय उसे बचाने पर ज्यादा ध्यान देते रहे।

अब बात सुप्रीम कोर्ट का...

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि स्थानीय प्राधिकरणों की ओर से अनुमोदित भवन योजना के उल्लंघन को प्रोत्साहित नहीं किया जा सकता है। जो निर्माण किसी भवन योजना अनुमोदन के बिना दुस्साहसपूर्वक किए जाते हैं, उन्हें भी प्रोत्साहित नहीं किया जा सकता है। हर निर्माण नियम का ईमानदारी व सख्ती से पालन होना चाहिए। किसी उल्लंघन को अदालतों के ध्यान में लाए जाने की स्थिति में, इससे सख्ती से निपटा जाएगा। पीठ ने कहा कि कानूनों के तहत दायित्वों को पूरा करने में अफसरों की ओर से देरी, प्रशासनिक विफलता, नियामकीय अक्षमता, निर्माण और निवेश की लागत, प्राधिकार के लापरवाही बरतने को अवैध निर्माण के बचाव में ढाल के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। देश में अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे निर्माण को नियमित करने वाली योजनाएं केवल असाधारण परिस्थितियों में और विस्तृत सर्वेक्षण के बाद आवासीय घरों के मामले में एक बार के उपाय के रूप में लाई जानी चाहिए। अनधिकृत निर्माण, उसमें रहने वालों और आस-पास रहने वाले नागरिकों के जीवन के लिए खतरा पैदा करने के अलावा, बिजली, भूजल और सड़को तक पहुंच जैसे संसाधनों पर भी प्रभाव डालते हैं, जिन्हें मुख्य रूप से व्यवस्थित विकास और अधिकृत गतिविधियों के हिसाब से डिजाइन किया जाता है।

अपने 36 पन्नों के फैसले में शीर्ष कोर्ट ने कहा कि बिल्डरों को अब शपथ लेनी होगी कि वह पूर्णता प्रमाणपत्र के बिना भवन का कब्जा नहीं देंगे। इसके साथ ही भवन निर्माण के लिए जरूरी अनुमति निर्माण की पूरी अवधि के दौरान उन्हें निरीक्षकों को देखने के लिए उपलब्ध कराना होगा। पीठ ने प्राधिकारियों को निर्देश दिया कि बिल्डिंग निर्माण की योजना की अनुमति देने से पहले उन्हें बिल्डरों या आवेदकों से शपथपत्र भरवाना होगा कि वह पूर्णता या कब्जा प्रमाणपत्र हासिल होने के बाद ही भवन उसके संबंधित मालिकों को सौंपेंगे। शीर्ष अदालत ने कहा, बिल्डर या डेवलपर या मालिक को निर्माण स्थल पर, निर्माण की पूरी अवधि के दौरान अनुमोदित योजना की प्रति दिखानी होगी। संबंधित अधिकारियों को समय-समय पर परिसर का निरीक्षण करना चाहिए और इस तरह के निरीक्षण का रिकॉर्ड रखना चाहिए। पीठ ने कहा, यदि नियमों का कोई उल्लंघन दिखे, तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए और पूर्णता/कब्जा प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया को तब तक स्थगित करना चाहिए, जब तक कि उल्लंघन को पूरी तरह ठीक नहीं कर दिया जाता। सभी आवश्यक सेवा कनेक्शन, जैसे बिजली, पानी की आपूर्ति और सीवेज, सेवा प्रदाताओं की ओर से भवनों को पूर्णता और व्यवसाय प्रमाण पत्र पेश करने के बाद ही दिया जाना चाहिए। पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने के बाद भी, यदि नियमों का कोई उल्लंघन प्राधिकारियों के ध्यान में लाया जाता है, तो संबंधित प्राधिकरण द्वारा बिल्डर/मालिक/कब्जेदार के खिलाफ कानून के अनुसार तत्काल कदम उठाए जाएंगे।

कार से आईल टपक रहा हैं, बोला और चुरा लिए पौने 7 लाख रूपए

पुलिस सहायता केंद्र के पास स्थित बीपीएल चौराहे पर हुई थी वारदात, आज पुलिस कर सकती है खुलासा

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के व्यस्ततम और पुलिस सहायता केंद्र के पास स्थित बीपीएल चौराहे पर विगत दिनों सनसनीखेज वारदात हुई थी। जिसमें बदमाशो ने बेखौफ होकर कार की नंबर प्लेट पर पहले आईल छिड़का, बाद में कार में सवार युवकों को गाड़ी से आईल टपकने की बोला। जैसे ही कार सवार आईल को देखने के लिए बोनट खोलने लगे तभी बदमाशो ने कार में रखे 6.80 लाख रूपऐ चुरा लिए और फरार हो गए। सीसीटीवी खंगालने के बाद पुलिस ने सोमवार को प्रकरण दर्ज किया। अब पुलिस बदमाशो की तलाश कर रही है। माना जा रहा हैं कि शहर कोतवाली पुलिस देर रात या मंगलवार को मामले का खुलासा कर सकती हैं।

जानकारी के अनुसार सीतामऊ तहसील के खेड़ा निवासी दिलीप पिता भंवरलाल पाटीदार उम्र 42 साल ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसकी सीतामऊबस स्टैंड पर किराना होलसेल की दुकान है। उसने बताया कि 14 दिसंबर को वह अपने भाई अनिल के साथ 7.5 लाख रूपए लेकर कार से मंदसौर खरीदी करने आया था। कुछ सामान की खरीदी के बाद उसके पास 6 लाख 80 हजार रुपए बचे थे। जिसे उसने एक प्लास्टिक की थैली में भरकर कार की सीट के बीच रख दिया था। दिलीप के मुताबिक बीपीएल चौराहा पर वह और उसका भाई दोनों गाड़ी में बैठे थे। ड्राइविंग सीट पर उसका भाई अनिल बैठा था। रुपए थैली में फ्रंट सीट के बीच में पड़े थे। इसी दौरान एक युवक आया और कहा कि आपकी गाड़ी से ऑयल टपक रहा है और धुंआ निकल रहा है, जरा उतर कर देख लीजिए। दोनों भाई कार से उतर कर देखने गए तो कार की नंबर प्लेट और बोनट पर ऑयल लगा हुआ था। इसके बाद दिलीप ने बोनट खोलकर देखा इसी दौरान आरोपी कार में रखी रुपयों से भरी थैली चुरा कर फरार हो गया।

फरियादी के अनुसार उसने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा चेक किए तो पता चला कि बदमाश ने पहले उसकी कार पर ऑयल छिड़का था। वहीं, उसके दूसरे साथी ने कार से रुपयों से भरी थैली उड़ाई थी। उस मामले में पुलिस ने रविवार को मामला दर्ज किया है। जन चर्चा के अनुसार आरोपियों को पकड़ने के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। अब खुलासा कर दिया जायेगा।

बादल छाने से दिन के तापमान में आई गिरावट

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल में मौसम बदल गया है। मौसम विभाग ने 25 दिसंबर को बूंदाबांदी की संभावना जताई है। बादल छाए रहने से दिन के तापमान में 2 डिग्री तक की गिरावट आई है। जबकि, रात के तापमान में 2 डिग्री का उछाल आया है। जिले में अधिकतम तापमान 25 डिग्री व न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग ने प्रदेश में 23 से 28 दिसम्बर तक सीजन के पहले मावठे का अनुमान जताया है। कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि भी हो सकती है। सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर हो सकता है। इस कारण उत्तर-पश्चिमी हवाएं आएंगी, जो अरब सागर से नमी लाएगी। बंगाल की खाड़ी से पूर्वी हवाएं भी आएगी। बादल छाने के साथ हल्की या मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ जगहों पर ओले गिरने की आशंका भी है। प्रदेश में दिसंबर में बारिश का ट्रेंड भी है। इस बार भी ऐसा ही मौसम रहेगा। दिन-रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढोतरी और हो जाएगी। लेकिन, सिस्टम के गुजरने के बाद सर्दी में फिर से तेजी आएगी।

नीमच में आईजी ने की अपराधों की समीक्षा, अधिकारियों के साथ की बैठक

नीमच, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। रतलाम, मंदसौर के बाद उज्जैन रेंज के आईजी उमेश जोगा रविवार देर शाम नीमच पहुंचे। यहां उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम पर पुलिस अधिकारियों के साथ विशेष बैठक की। जिसमें अपराधों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। रात तक चली बैठक में उन्होंने मुख्य रूप से जिले में तस्करी के अपराधों को कम कर शिकंजा कसने और ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

उज्जैन रेंज का प्रभार संभालने के बाद यह आईजी जोगा का रतलाम व मंदसौर के साथ ही नीमच में पहली बार आगमन था। इस अवसर पर पुलिस कप्तान अंकित जायसवाल ने उन्हें पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों की बैठक ली। वहीं, पत्रकारों से चर्चा में उन्होंने बताया कि कार्य दिवसों के दौरान हमेशा उनके पास कोई न कोई पीड़ित आता है, इसलिए वह पूरी कोशिश करते हैं कि समय देकर उनकी सुनवाई कर सकें।उन्होंने यह भी बताया कि शनिवार या रविवार के अवकाश में वह रेंज के किसी भी जिले का निरीक्षण करते हैं, जहां वह अपराध और कार्य की समीक्षा करते हैं। पहली बार नीमच आगमन हुआ है। यहां कंट्रोल रूम पर एक औपचारिक बैठक हुई, जिसमें सभी अधिकारी और कर्मचारी से बातचीत की गई।

इस दौरान आईजी श्री जोगा ने बताया कि उन्होंने देखा कि पुलिस ने अच्छा काम किया है। खासकर तस्करी और एनडीपीएस (नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस) के मामलों में पिछले साल की तुलना में दुगनी कार्रवाई की है। इसके साथ ही संपत्ति संबंधित अपराधों में भी अच्छी रिकवरी हुई है। महिला संबंधित और अन्य सभी अपराधों में कमी आई है। विवेचना का स्तर भी अच्छा है, लेकिन इसके बावजूद हर क्षेत्र में और बेहतर करने की गुंजाइश हमेशा रहती है और इसके लिए उन्होंने सभी को निर्देश दिए हैं। श्री जोगा ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को निपटाने में एसपी और उनकी टीम को सराहा।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ट्रैफिक पर फोकस...

उन्होंने पुलिस अधिकारियों को यह निर्देश भी दिए कि थाने में आने वाले पीड़ित को खुश होकर लौटने का एहसास होना चाहिए। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लक्ष्य के बारे में आईजी जोगा ने बताया कि पूरे संभाग में ट्रैफिक को लेकर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। सभी एसपी से चर्चा की गई है और पुराने घटनाक्रमों को देखते हुए आने वाले समय में योजना बनाकर काम किया जाएगा। आस-पास के जिलों और राज्यों से बेहतर समन्वय बढ़ाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप अब किसी भी घटनाक्रम का खुलासा करने में सफलता मिल रही है। पुलिस ने पहले की तुलना में बेहतर कार्रवाई की है और उनका मुख्य उद्देश्य जनता की सेवा करना है। बैठक के दौरान एडिशनल एसपी नवल सिंह सिसोदिया, सीएसपी अभिषेक रंजन, जिले के एसडीओपी, डीएसपी, सभी थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी और अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

मंडी में गिरे प्याज के भाव, बाजार में बिक रहा 30-40 रुपए किलो

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कृषि मंडी सहित आसपास के क्षेत्र में बीते सात दिनो में प्याज के दाम में भारी गिरावट दर्ज हुई है। थोक में प्याज के भाव 07 से 20 रूपए किलो हो चुके हैं। लहसून के भाव में भी गिरावट जारी है। प्याज के दाम सात दिन में तीन हजार रुपए क्विंटल से 1800 रुपए क्विंटल तक उतर गए हैं। न्यूनतम दाम भी 1300 से 700 रुपए पर आ गए हैं। हालांकि फुटकर बाजार में अभी भी प्याज 30 से 40 रुपए किलो ही बिक रहा है। फुटकर व्यापारी मुनाफाखोरी कर रहे हैं। जानकारों का कहना है कि महाराष्ट्र व गुजरात से नए प्याज की आवक तेज होने से स्थानीय मंडी में गिरावट आई है। यह स्थिति जनवरी अंत तक बनी रहेगी। इसके बाद आवक कम होने पर कुछ सुधार हो सकता है।

ज्यादातर घरों में सब्जी व भोजन में उपयोग होने वाले प्याज के दाम में एक सप्ताह में तेजी से गिरावट दर्ज हो रही है। यह निरंतर जारी है। बीते सात दिन में कृषि मंडी में प्याज के अधिकतम व न्यूनतम दोनों दाम आधे गिर चुके हैं। लेकिन फुटकर बाजार में विशेष कोई राहत नहीं दिख रही है। सब्जी मंडी में व्यापारी अभी भी 30 से 40 रुपए किलो में प्याज बेच रहे हैं। इस मुनाफाखोरी से किसानों व आम आदमी दोनों को नुकसान हो रहा है। किसानों को लागत नहीं मिल रही तो... शेष पेज 4 पर

पूर्व मुख्य सचिव, सुपर सीएम का नाम 54 किलो सोना और करोड़ो रुपए मामले में क्यों आया..!

मंदसौर/उज्जैन, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। राज्य परिवहन विभाग के एक आरक्षक पर कार्यवाही में कई करोड़ रूपया नगद एवं कई किलो सोना-चांदी मिलने की घटना जब खबरों में दिखाई जाने लगी तो एकदम से आम लोगों में चर्चा का विषय बन गई। अविश्वसनीय, झूठ, सच और कहानी जैसा लगने लगा की अदना सा सरकारी बाबू मध्य प्रदेश की धरती पर कुबेर बन बैठा। बनने के पहले सामान्य सा नागरिक था। इसलिए झूठ सच पर शोधार्थी शोध मंथन करने लगे। जैसे व्यापम पर आज तक किया जा रहा है। शुरुआत इस प्रकरण की भी कुछ वैसी ही है, पर तब प्रदेश बहुत ही परिपक्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ उनके विश्वसनीय मुख्य सचिव इकबाल सिंह बेस की जोड़ी के कब्जे में था। बावजूद उसके प्रशासनिक और राजनीतिक जगत और राजधानी के प्रशासनिक केंद्र वल्लभ भवन, सतपुड़ा और विंध्याचल भवन के कार्यरत कर्मचारियों अधिकारियों में एक अदृश्य सुपर सीएम का सबसे ज्यादा प्रभाव था। सुपर सीएम के अलिखित आदेशों से मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव भी बच नहीं पाते थे। फिर चाहे वह नियम अनुसार हो या नियम विरुद्ध जो भी, जैसा भी आदेश आता था तत्काल फरमा बरदार की तरह हुकुम की तमिली की जाती थी।

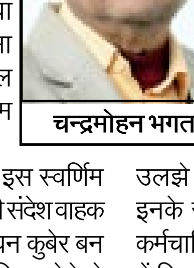

चन्द्रमोहन भगत

शिवराज सरकार के इस स्वर्णिम काल में सुपर सीएम के जो भी संदेश वाहक थे, वह भी अपने क्षेत्र के धन कुबेर बन बैठे हैं। क्योंकि आदेश मौखिक होते थे और तत्काल ही करना पड़ते थे। मतलब सुपर सीएम से पुख्ता करने की, कि आदेश उन्हीं का है अपने ताकतवर पद से हाथ धोना पड़ता था।

पूर्व मुख्य सचिव और सुपर सीएम की जोड़ी से जिसने भी टकराने की कोशिश की, नेस्तनाबूद कर दिया गया। इसके प्रमुख शिकार रहे पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा, जिन्होंने अपने संदेशवाहकों को विभागीय काम में लगाया था। सुपर सीएम को नजरअंदाज करने लगे थे। बाद में व्यापम सहित अन्य मामलो में ऐसे उलझे ऐसे की निकल ही नहीं पाए। इनके साथ में और भी कई नेताओं, कर्मचारियों, अधिकारियों को कृष्ण कुंज में दिन निकलना पड़ रहे हैं।

दूसरी तरफ सौरभ शर्मा जैसा अर्दली फरमा बरदारी में महारथी था। इसलिए प्रशासनिक मुखिया से लेकर सुपर सीएम के बीच सबसे विश्वसनीय कड़ी बन चुका था। व्यापम में अति करने वालों पात्रों की हालत का अनुभव भी इसने परख लिया था। इसलिए प्रशासनिक मुखिया की सेवानिवृत्ति और सरकार बदलने से निवृत सुपर सीएम के पावर खत्म होने से पहले सौरभ शर्मा अपना खजाना समेट कर सरकार से दूरी बना चुका था। कारण साफ है कि उसे आभाष था कि सरकारी मुलाजिम बना रहता तो पुरानी आदतें काम नहीं आएगी और नई सरकार में कोई सुपर सीएम होगा भी !

कुल मिलाकर सौरभ शर्मा का निर्णय तो दूरदर्शी था, किन्तु, किस्मत ने साथ नहीं दिया। किस्मत ने साथ दिया, जिनके निशाने पर पहले से सौरभ शर्मा था। उन प्रतिस्पर्धियों को भी इंतजार था कि मुख्य सचिव तो एक दिन सेवानिवृत्ति होंगे ही और सुपर सीएम भी सत्ता से बाहर। बस ऐसा होते ही डॉक्टर मोहन यादव की सरकार बनी, खुफिया तंत्र पीछे लगा, दस्तावेज तलाशे जाने लगे। सिलसिलेवार संग्रहण पूरा होते ही कार्रवाई को अंजाम दिया जाने लगा। पहले अर्दली बाबू की हवेली पर छापा फिर अज्ञात वाहन सोने और नगदी भरा पकड़ाना, फिर घर की खुदाई में भी चांदी, गहने और नगद मिलना। असीमित खुदाई में भी चांदी, गहने, नगद मिलना जारी है असीमित है। कब तक जारी रहेगा कोई बात नहीं पा रहा है!

वर्तमान सरकार इतनी दुविधा में है कि कैसे बताएं कि उनके सेवानिवृत्त अर्दली ने इतना पैसे कैसे कमाया है। और इसके साथी कर्मचारियों ने इतना क्यों नहीं कमाया ! मात्र 12 साल की सरकारी नौकरी में यह कमाल करने वाले बंदे की तारीफ करना तो बनता है कि जहां भी काम करो, सरकार के प्रशासनिक मुखिया और सुपर सीएम हो तो साध लो, और कर लो दुनिया मुट्ठी में..।

फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर खाते में डलवाए 38 लाख से ज्यादा रुपए, धोखाधड़ी

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। फ्रेंचाइजी दिलवाने के नाम पर शहर के संभ्रांत युवक से 38 लाख रुपयों से ज्यादा की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इसमें अज्ञात लोगों द्वारा किसी व्यवसायिक संस्था की फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर अलग-अलग खातों में रुपए डलवाए गए। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज किया है।

कोतवाली पुलिस ने बताया कि ठगी के शिकार सूरज पिता योगेश गुप्ता निवासी मंदसौर हुए है। अज्ञात लोगों ने ट्रेंट लिमीटेड जुडियो की फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर ठगी की। सूरज गुप्ता से फ्रेंचाइजी दिलाने के लिए अलग अलग खातों में रुपए डलवाए गए। कुल 38 लाख 67 हजार 710 रुपए लिए गए। इसके बाद भी फ्रेंचाइजी नहीं मिली। जिसके बाद पुलिस को शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओ में प्रकरण दर्ज किया है।

पूर्व नपाध्यक्ष का पुत्र है पीड़ित सूरज–बता दें कि सूरज गुप्ता मंदसौर की पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती कुसुम गुप्ता को बेटा है। सोश्यल मीडिया सहित ज्यादातर प्लेटफार्म पर एक्टिव रहने वाला सूरज कैसे झांसे में आ गया, इसका अंदाज किसी को नहीं लग पा रहा है। आमजन के बीच चर्चा है कि पुलिस व प्रशासन द्वारा फर्जी कंपनियो से सावधान रहने की आए दिन अपील की जाती है। किन्तु, पढ़े लिखे और संभ्रांत लोग भी ठगोरे से बच नहीं पा रहे है।

विचार-मंथन

भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों में बढ़ा दाखिलों का ग्राफ

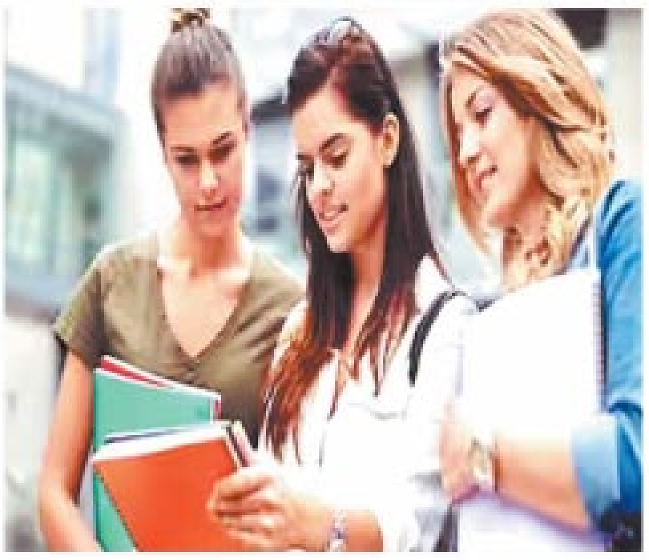

उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिलों का ग्राफ इस अकादमिक सत्र 2024 - 25 में चढ़ा है! खासकर उत्तर भारत में हरियाणा, दिल्ली और पंजाब के उच्च शिक्षण संस्थानों में एक दशक के बाद रौनक लौटी है! तकनीकी शिक्षण संस्थानों में दाखिला वर्ष 2024-25 में औसतन 15 फीसदी दाखिले अधिक हुए हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों से जुड़े विभिन्न 'एडेड एवं अन-एडेड संगठन' इस बढ़त को राहत बताते हैं! इस औसतन दाखिला वृद्धि में यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन (यू.जी.सी) सहित विभिन्न अकादमिक रैगुलैरिटी बॉडीज की पहलकदमियां भी शामिल हैं। पंजाब के तकनीकी शिक्षण संस्थानों में दाखिले बढ़ने से विभिन्न वर्ग में सकारात्मकता नजर आई है। उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिले बढ़ने का कारण कनाडा, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में उच्च शिक्षा में दाखिले मुश्किल होना भी है। पंजाब सहित विभिन्न प्रदेशों से अधिकतर विद्यार्थी ओवरसीज एजुकेशन में रुचि रखने लगे हैं। यह एक वजह सही है, मगर बड़े स्तर पर भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों की रैगुलैरिटी बॉडीज द्वारा लिए गए अहम फैसले भी इस बार दाखिलों के बढ़ने में कारगर साबित हुए हैं। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन (यू.जी.सी.) की तरफ से वर्तमान अकादमिक सत्र 2024-25 के दाखिले आरंभ होने से पहले लिए गए साल में दो बार दाखिलों की अनुमति देना, नैशनल एजुकेशन पॉलिसी के तहत मल्टी एंट्री मल्टी एग्जिट सिस्टम लागू करना, बी.वाक कोर्सेस में विश्वास बढ़ना, प्राइवेट सैक्टर सहभागिता होना, फैकल्टी एवं इंस्टीच्यूशन रैंकिंग होना, नैतिक शिक्षा का प्रसार होना, अंडर ग्रैजुएट कोर्सेस में सीट बढ़ौतरी करना, यू.जी.सी. डायरैक्ट मॉनिटरिंग होना भी दाखिला बढ़ौतरी के लिए सहायक सिद्ध हुआ है। यू.जी.सी. की इन पहलकदमियों ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में भारतीय शिक्षा के प्रति विश्वास बढ़ाया है। पंजाब की 4 तकनीकी यूनिवर्सिटीज आई.के. गुजराल पंजाब टैक्नीकल यूनिवर्सिटी जालंधर-कपूरथला, महाराजा रणजीत सिंह पंजाब टैक्नीकल यूनिवर्सिटी बठिंडा, सरदार बेअंत सिंह स्टेट टैक्नीकल यूनिवर्सिटी गुरदासपुर, शहीद भगत सिंह स्टेट टैक्नीकल यूनिवर्सिटी फिरोजपुर में इस बार औसतन 15 फीसदी दाखिलों में बढ़त दर्ज की गई है। इन यूनिवर्सिटीज के पास करीब 1 लाख 5 हजार सीट्स विभिन्न कोर्सेस में हैं, इनमें ए.आई.सी.टी.ई, यू.जी.सी, काऊंसिल फॉर आर्किटैक्ट फार्मेसी काऊंसिल इत्यादि से जुड़े कोर्सेस शामिल हैं। वर्तमान आंकड़ों के मुताबिक 60 हजार से अधिक सीटें भरी हैं, जो कि बीते वर्ष के मुकाबले लगभग 10 से 15 प्रतिशत अधिक हैं। प्रदेश की पहली तकनीकी यूनिवर्सिटी आई.के.जी.पी.टी.यू. दाखिला सत्र 2024 - 25 में 46,150 सीट्स सभी संबंधित कालेजों एवं यूनिवर्सिटी कैम्पस में भरी गई हैं। बीते साल से यह आंकड़ा 10 फीसदी बढ़ा है। बीते वर्ष के मुकाबले इस वर्ष लगभग 5000 से अधिक सीटें एफिलिएटेड कालेजों में अधिक भरी हैं। उधर प्रदेश की अन्य स्टेट यूनिवर्सिटीज गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी श्री अमृतसर साहब, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला कैम्पस एवं संबंधित कालेजों के आंकड़ों में भी 12 प्रतिशत का ओवरऑल एवं कुछ कोर्सेस में 25 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया है। इनमें कॉमर्स एवं बिजनैस एडमिनिस्ट्रेशन से जुड़े कोर्सेस भी शामिल हैं। देश में भी अब सिर्फ बड़े शिक्षण संस्थानों को ही नहीं बल्कि हर शिक्षण संस्थान को आगे आना होगा! जिम्मेदारी से हर विद्यार्थी की जरूरत को समझना होगा। विद्यार्थी एवं शिक्षण संस्थान के संबंध ही मुकाम हासिल करने में मदद करेंगे! तभी विश्वास बढ़ेगा और देश भर में दाखिलों में बढ़ौतरी का क्रम चलता रहेगा। इस बार के प्रयास एवं सफलता पंजाब में युवाओं के अध्ययन के बाद बसने का एक स्वस्थ वातावरण बनाने वाली है। सरकार ने विभिन्न पहल एवं संवैधानिक प्रावधानों के माध्यम से शिक्षा तक पहुंच को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सरकारी योजनाएं, पहलकदमियां सभी के लिए एक समावेशी और समान शैक्षिक प्रणाली बनाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। यह बीते कई साल से दाखिलों में कमी से मंदी से जूझ रहे कालेजों की यह उम्मीद, हिम्मत और जज्बे की जीत है। अब इसे बरकरार रखने के लिए कालेजों, यूनिवर्सिटीज एवं सरकारी तंत्र को मिलकर काम करना होगा।

क्या मोदी सरकार के तहत माओवादियों का अंत हो जाएगा?

अंशुमान बेहरा

माओवादियों के खात्मे के बारे में भारत के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हालिया बयान ने काफी ध्यान आकर्षित किया है. मंत्री ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार मार्च 2026 तक माओवादियों का खात्मा करने के लिए प्रतिबद्ध है. इस तरह के बयान से माओवादी उग्रवाद से निपटने के लिए सरकार द्वारा अपनाई जाने वाली वर्तमान और भविष्य की रणनीतियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है. मार्च 2026 को उस समय सीमा के रूप में चिह्नित करने वाली स्पेसिफिक समयसीमा, जिसे कभी सबसे बड़ा आंतरिक सुरक्षा खतरा माना जाता था, सतर्क आशावाद और वास्तविक चिंता दोनों के लिए आधार प्रदान करती है. जैसा कि गृह मंत्री ने जोर दिया, पिछले एक दशक में सरकार के प्रयासों से माओवादियों में काफी कमी आई है. उन्होंने बताया कि पिछले एक साल में माओवादी हिंसा के कारण नागरिकों और सुरक्षा बलों दोनों की मौतों में सौ से कम की कमी आई है. हालांकि, यह दावा बहस का विषय है, लेकिन यह सच है कि पिछले साल माओवादी गतिविधि से प्रभावित क्षेत्रों में सबसे कम हताहत हुए थे. विभिन्न राज्यों के तीस आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के साथ अपनी बैठक के माध्यम से अमित शाह ने उनसे अपने हथियार छोड़ने और भारत की व्यापक विकास यात्रा में शामिल होने का आग्रह किया. साथ ही, उन्होंने चेतावनी दी कि जो लोग आत्मसमर्पण करने से इनकार करते हैं, उन्हें सुरक्षा बलों की सैन्य कार्रवाई के परिणाम भुगतने होंगे. माओवादियों से हथियार छोड़ने की यह

अपील, साथ ही तीव्र सैन्य कार्रवाई की धमकी, गहन विश्लेषण की मांग करती है. इसके अलावा, माओवादी विद्रोह, भारत में सबसे लंबे समय से चल रहे सशस्त्र आंदोलनों में से एक है, जो गंभीर जांच का हकदार है, क्योंकि यह अत्यधिक राज्य शक्ति के सामने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा है. पिछले दशक में माओवादियों से निपटने के लिए सरकार के दृष्टिकोण में पिछली नीतियों और नई पहलों के साथ निरंतरता देखी गई है. सरकार ने तीन-आयामी रणनीति का पालन किया है. माओवादी हिंसा को रोकने के उद्देश्य से एक उग्रवाद-विरोधी सैन्य दृष्टिकोण, माओवादी प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय आबादी की शिकायतों को दूर करने और उन्हें माओवादी प्रभाव से अलग करने के उद्देश्य से एक विकासात्मक रणनीति शामिल है. इसके अलावा माओवादी उग्रवादियों को मुख्यधारा के समाज में लौटने का अवसर प्रदान करने वाली आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति. भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वपूर्ण नई पहल स्थानीय आबादी के अधिकारों और हकों को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करना है. हालांकि, स्थानीय मांगों को पूरी तरह से पूरा करने में इन प्रयासों की सफलता पर बहस हो सकती है, लेकिन निस्संदेह इनसे राज्य की छवि को बेहतर बनाने में मदद मिली है. एनडीए सरकार ने माओवादियों का मुकाबला करने के लिए एक नई रणनीति, समाधान भी शुरू की. यह रणनीति आठ प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है. इसमें स्मार्ट नेतृत्व, आक्रामक सैन्य रणनीति, प्रेरणा और प्रशिक्षण, कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी, डैशबोर्ड-आधारित प्रमुख प्रदर्शन संकेतक और प्रमुख परिणाम क्षेत्र , टेक्नोलॉजी उपयोग, प्रत्येक परिचालन थिएटर के लिए एक कार्य योजना और माओवादी वित्तपोषण तक पहुंच को रोकना शामिल है. समाधान की प्रभावशीलता माओवादी हताहतों, गिरफ्तारियों और आत्मसमर्पणों की बढ़ती संख्या में देखी जा सकती है. दक्षिण एशियाई आतंकवाद पोर्टल के अनुसार 2014 से अब तक 1,700 माओवादी मारे गए हैं, 6,487 गिरफ्तार हुए हैं और 11,413 ने आत्मसमर्पण किया है.

छत्तीसगढ़ में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनने के बाद एक उल्लेखनीय घटना घटी, जहां सुरक्षा बलों ने कई लक्षित मुठभेड़ों को अंजाम दिया, जिसके परिणामस्वरूप कई माओवादी मारे गए. हालांकि, इन मुठभेड़ों की आलोचना की गई है, क्योंकि कुछ लोगों का तर्क है कि सरकार अधिक समझौतावादी हो सकती थी, खासकर तब जब छत्तीसगढ़ में माओवादियों की उपस्थिति उस समय तक कुछ ही इलाकों तक सीमित थी. इन आलोचनाओं के बावजूद माओवादियों की घटती ताकत और सुरक्षा अभियानों की सफलता मंत्री के इस दावे को विश्वसनीयता प्रदान करती है कि मार्च 2026 तक माओवादी खतरे को बेअसर किया जा सकता है. फिर भी, मुख्य मुद्दा बना हुआ है कि क्या माओवादी आंदोलन का अंत बल प्रयोग से होगा, या भविष्य में सरकार और माओवादियों के बीच बातचीत शुरू हो सकती है? माओवादी नेतृत्व और गतिविधियों के वर्तमान प्रक्षेपवक्र को देखते हुए, इस बात के बहुत कम संकेत है कि बातचीत आसन्न है. पिछले दशक में माओवादी आंदोलन में संगठनात्मक नेतृत्व और परिचालन गतिविधियों दोनों के संदर्भ में काफी बदलाव हुए हैं. आंदोलन ने आतंकवाद विरोधी अभियानों में अपने कई नेताओं को खो दिया है. इक्नाक्स के आंकड़ों के अनुसार, पिछले दस साल में सुरक्षा बलों ने 343 माओवादी नेताओं को मार गिराया है, जिनमें नौ राष्ट्रीय नेता, 51 राज्य नेता और 283 स्थानीय नेता शामिल हैं. इससे न केवल नेतृत्व में महत्वपूर्ण कमी आई है, बल्कि माओवादियों के लिए नए कैडर की भर्ती करना भी मुश्किल हो गया है. माओवादियों के घटते समर्थन आधार ने उन्हें और अलग-थलग कर दिया है, जिससे स्थानीय समुदायों से सुरक्षा या सहायता प्राप्त करने की उनकी क्षमता कम हो गई है. 2018 से केंद्रीय समिति और पोलित ब्यूरो के सदस्य नंबाला केशव राव का नया नेतृत्व स्थानीय आबादी के बीच विश्वास जगाने में विफल रहा है. इसके बजाय उनके अभियान किसी भी सार्थक वैचारिक या राजनीतिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के बजाय सुरक्षा बलों को निशाना बनाने पर केंद्रित रहे हैं. आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों ने गवाही दी है कि माओवादी नेतृत्व अपनी वैचारिक जड़ों से काफी हद तक भटक गया है, अत्यधिक केंद्रीकृत और प्रभावशाली बन गया है, जिसमें अपने कैडरों के लिए बहुत कम सम्मान है. इसके अलावा सरकार की विकास पहलों और शासन में सुधार ने माओवादियों के लिए पैर जमाना मुश्किल बना दिया है. ऐतिहासिक रूप से माओवादियों ने हाशिए पर पड़े समुदायों की शिकायतों का हवाला देकर अपने हिंसक विद्रोह को उचित ठहराया है. हालांकि, जैसा कि राज्य ने इनमें से कई चिंताओं को संबोधित किया है, माओवादियों को व्यवहार्य विकल्प प्रस्तुत करने में संघर्ष करना पड़ा है. इससे आंदोलन का पतन और तेज हो गया है. इस प्रकार, 2026 तक माओवादी विद्रोह के समाप्त होने की संभावना अधिक प्रशंसनीय लगती है. दशकों की हिंसा और व्यवधान के बाद माओवादी विद्रोह का अंत निस्संदेह एक सकारात्मक विकास है. हालांकि, कुछ मुद्दों को स्वीकार करना आवश्यक है।

भाजपा के खिलाफ एकजुट दिखाई दिया विपक्ष

राहिल नोरा चोपड़ा

समाजवादी पार्टी ने भी यू.पी. उप-चुनावों में अपनी ताकत दिखाई है और अब उसने दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों में अरविंद केजरीवाल का समर्थन करने का फैसला किया है, जिन्हें कांग्रेस चुनौती दे रही है। उद्धव ठकरे ने हिंदुत्व विचारक और स्वतंत्रता सेनानी सावरकर के लिए भारत रत्न की मांग की। उनकी हिंदुत्व साख को पुनः प्राप्त करने का प्रयास राहुल गांधी के सावरकर के खिलाफ लगातार अभियान के बिल्कुल विपरीत है। कांग्रेस ने अडानी विवाद जैसे मुद्दों पर सहयोगियों के साथ खुद को अलग पाया है, जिसमें टी.एम.सी. और सपा ने भी उसका साथ दिया है। विपक्ष ने पार्टी लाइन से हटकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की। उन पर राज्यसभा में अपने बयान में डा. बी.आर. आंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा और आर.एस.एस.पर आंबेडकर के योगदान को कमतर आंकने का आरोप लगाया। जबकि 'आप' सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने तेदेपा प्रमुख एन.चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखे। दोनों भाजपा के प्रमुख सहयोगी हैं। केजरीवाल ने शाह पर 'लाखों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने' का आरोप लगाया और दोनों नेताओं से भाजपा के साथ अपने गठबंधन पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। शाह के बयानों को सुर्खियों में रखकर, उन्होंने प्रभावी रूप से भाजपा को रक्षात्मक स्थिति में लाने के लिए मजबूर कर दिया है, जो संसद में दुर्लभ है जहां सत्तारूढ़ दल अक्सर बहस की शर्तें तय करता है। एक बार फिर विपक्ष भाजपा के खिलाफ एकजुट दिखाई दिया है। 2027 के यू.पी. विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटी कांग्रेस - कांग्रेस द्वारा राज्य कार्यकारिणी, जिला, शहर और ब्लॉक इकाइयों को भंग करने का फैसला पार्टी संगठन को नए सिरे से खड़ा करने के लिए जरूरी पहला कदम है, ताकि इसे 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए तैयार किया जा सके। कांग्रेस को उम्मीद है कि इससे उसकी मौजूदगी बढ़ेगी और गठबंधन की बातचीत में अहम भूमिका भी निभाएगी। पार्टी यह भी चाहती है कि भविष्य में सहयोगियों के साथ बातचीत के दौरान अलग-अलग मजबूत सीटों पर अपने नेताओं को आगे बढ़ाने के लिए और जगह मिल सके। चर्चा है कि कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष अजय राय, जिन्हें प्रियंका गांधी की आंख और कान माना जाता है, को पदोन्नत कर ए.आई.सी.सी. में भेजा जाएगा। राय भूमिहार जाति से आते हैं, जो पूर्वी यू.पी. में एक छोटी आबादी है, जिसका मुश्किल से 5 संसदीय क्षेत्रों में प्रभाव है। चर्चा है कि गांधी परिवार के बेहद भरोसेमंद सहयोगी और अमेठी से सांसद के.एल. शर्मा को यू.पी. कांग्रेस का नया अध्यक्ष नियुक्त किया जा सकता है। किशोरी लाल शर्मा 1984-85 से गांधी परिवार के लिए अमेठी के मामलों का प्रबंधन कर रहे हैं, जिससे उन्हें यू.पी. कांग्रेस की पूरी समझ है। इसके अलावा, उन्होंने नई दिल्ली में महादेव रोड पर एक कार्यालय स्थापित किया है, जहां यू.पी. कांग्रेस के शिकायतकर्ता अक्सर आते हैं। शर्मा सोनिया गांधी, राहुल और प्रियंका गांधी तक उनकी समस्याओं को पहुंचाने का काम करते हैं। दिल्ली के मुद्दे उठाएंगे वामपंथी दल - वामपंथी दल दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव में कुछ सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और उन्होंने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी से अपील की है कि 'इंडिया' ब्लॉक को मिलकर चुनाव लड़ना चाहिए। गुरुवार को एक प्रैस कांफ्रैंस में वामपंथी दलों ने 5 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की और दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के वादे के साथ एक संयुक्त घोषणापत्र जारी किया। जबकि दिल्ली नगर निगम का विकेंद्रीकरण, शहरी स्थानीय निकायों को शक्तियों का हस्तांतरण और बेरोजगारी, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, न्यूनतम मासिक मजदूरी को बढ़ाकर 26,000 रुपए करना, पेयजल जैसे मुद्दे वामपंथी दल उठाएंगे। सी.पी.आई. (एम) ने दिल्ली उच्च न्यायालय के वकील अशोक अग्रवाल और जगदीश चंद को क्रमशः करावल नगर और बदरपुर से मैदान में उतारा है। सी.पी.आई. (एम.एल.) ने 2 सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बनाई है। नरेला से उसने अनिल कुमार के नाम की घोषणा की है, जबकि कोंडली सीट के लिए अभी तक उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है।

भारतीय युवाओं में बढ़ रही व्यसन की प्रवृति को रोकना जरूरी

मेडिकल साइन्स के अनुसार, ड्रग्स के लंबे समय तक सेवन से लिवर, फेफड़े, हृदय और मस्तिष्क को नुकसान पहुंचता है। ड्रग्स का सेवन इम्यून सिस्टम को कमजोर करता है, जिससे व्यक्ति आसानी से बीमार पड़ सकता है। आज भारत के विभिन्न कस्बों, नगरों, विशेष रूप से महानगरों में, कम उम्र के नागरिकों के बीच व्यसन की समस्या विकराल रूप धारण करती हुई दिखाई दे रही है। देश के कुछ भागों में विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विद्यार्थी भी नशे की लत का शिकार हो रहे हैं। भारत का युवा यदि गलत दिशा में जा रहा है तो यह भारत के भविष्य के लिए अत्यधिक चिन्ता का विषय है। देश के पंजाब राज्य में तो हालात बहुत खराब स्थिति में पहुंच गए है एवं वहां ग्रामीण इलाकों में भी युवा विभिन्न प्रकार के व्यसनों में लिप्त पाए जा रहे हैं। नशे के सेवन से न केवल स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है बल्कि मानसिक तौर पर भी युवा वर्ग विक्षिप्त अवस्था में पहुंच जाता है। मेडिकल साइन्स के अनुसार, ड्रग्स के लंबे समय तक सेवन से लिवर, फेफड़े, हृदय और मस्तिष्क को नुकसान पहुंचता है। ड्रग्स का सेवन इम्यून सिस्टम को कमजोर करता है, जिससे व्यक्ति आसानी से बीमार पड़ सकता है। अत्यधिक मात्रा में ड्रग्स लेने से व्यक्ति कोमा में जा सकता है या मृत्यु भी हो सकती है। इसी प्रकार ड्रग्स के सेवन से डिप्रेशन, एंग्जायटी, और सिजोफ्रेनिया जैसी मानसिक बीमारियों को बढ़ावा मिलता है। ड्रग्स लेने वाले व्यक्ति को चूंकि इनकी लत लग जाती है अत: वह व्यक्ति मानसिक और भावनात्मक रूप से ड्रग्स पर निर्भर हो जाता है। ड्रग्स के आदी व्यक्ति का व्यवहार भी आक्रामक हो जाता है, जिसके कारण परिवार में तनाव और झगड़े बढ़ जाते हैं। ड्रग्स पर पैसा खर्च करने से व्यक्ति और उसके परिवार की आर्थिक स्थिति भी डावांडोल होने लगती है। ड्रग्स को खरीदने के लिए धन की आवश्यकता पड़ती है, यदि परिवार की आर्थिक स्थिति खराब हो चुकी हो और युवाओं को परिवार से धन की प्राप्ति नहीं होती है तो ड्रग्स की लत के कारण युवा चोरी, लूटपाट या अन्य अवैध गतिविधियों में संलिप्त हो जाते हैं। यह स्थिति भारत के लिए ठीक नहीं कही जा सकती है क्योंकि एक तो उस युवा का देश के विकास में योगदान लगभग शून्य हो जाता है, दूसरे, वह व्यक्ति अपने परिवार एवं समाज पर बोझ बन जाता है। हम अक्सर मदिरापान और धूम्रपान की स्थिति में कैंसर का डर दिखाकर तम्बाकू निषेध को लक्षित करते हैं। जबकि व्यसनों के कई प्रकार हैं। ड्रग्स के विभिन्न प्रकार और उनके प्रभावों को समझना जरूरी है ताकि इसके दुरुपयोग से बचा जा सके। ड्रग्स से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में जागरूकता फैलाकर ही एक स्वस्थ और सुरक्षित समाज का निर्माण किया जा सकता है। आज देश में ड्रग्स की उपलब्धता बहुत आसान हो गई है। कई अंतरराष्ट्रीय गिरोह भारतीय युवाओं को अपनी गिरफ्त में लेकर कई प्रकार के ड्रग्स आसानी से उपलब्ध कराते हैं और उन्हें इनका आदी बना देते हैं। ड्रग्स के भी कई प्रकार हैं। जैसे, (1) डिप्रेसेंट्स -इस श्रेणी में अल्कोहल, बार्बिटुरेट्स, बेंजोडायजेपाइन आदि को शामिल किया जाता है। इस प्रकार के ड्रग्स मस्तिष्क की गतिविधि को धीमा कर देते हैं, जिससे व्यक्ति को शांति या सुकून महसूस होता है। लेकिन, अधिक मात्रा में लेने से यह सांस की तकलीफ, बेहोशी और मृत्यु का कारण बन सकते हैं। (2) स्टिमुलेंट्स - इस श्रेणी में कोकीन, मेथामफेटामिन, कैफीन आदि को शामिल किया जाता है। यह ड्रग्स मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र की गतिविधि को बढ़ाते हैं, जिससे चुस्ती और ऊर्जा बढ़ती है।

अब हर घर में दूध पीने वाले बच्चे ही पैदा हों, खून की बोतल चढ़वाने वाले नहीं-राठौर

मनासा, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत विकास परिषद शाखा मनासा ने शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनासा में थैलेसीमिया जांच शिविर का आयोजन किया जिसमें विद्यालय के बच्चों का थैलेसीमिया जांच हेतु रक्त परीक्षण किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती, भारत माता एवं युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। 111 से अधिक बच्चों का परीक्षण इसमें किया गया जिसमें थैलेसीमिया वेल्फेयर सोसाइटी नीमच के अध्यक्ष श्री सत्येंद्र सिंह जी राठौर ने इस बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की ओर यह बताया कि यह क्यों होती है ,इसका परीक्षण कैसे किया जाता है और इसका पता लगने के बाद हमें क्या-क्या सावधानियां रखनी चाहिए। भारत विकास परिषद शाखा ,मनासा एवं थैलेसीमिया जनजागरण व वेलफेयर सोसायटी नीमच के संयुक्त तत्वावधान में विगत दिवस थैलेसीमिया जागरूकता एवं नि:शुल्क जांच शिविर का आयोजन उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनासा में आयोजित किया गया। उपरोक्त शिविर में नीमच के सत्येंद्र सिंह जी का ,विकास खंड शिक्षा अधिकारी श्री बी. एल. जावरिया एवं विद्यालय के प्राचार्य श्री रामानुज जी परवाल जी का स्वागत भारत विकास परिषद के सदस्यों द्वारा किया गया। उपरोक्त शिविर में भारत विकास परिषद शाखा मनासा के अध्यक्ष पंकज जी पोरवाल, अनुराग जी शर्मा ,हरगोविंद जी बसेर , योगेंद्र जी लड्ढा, सुनील जी सोनी,विनोद जी झवर,अंकुश जी सोडानी,मधुसूदन जी मूंगड, स्वर्णिम जी मूंदड़ा ने अपनी सहभागिता की एवं कैंप में अपनी सेवाएं दी। कार्यक्रम की समाप्ति पर सभी बच्चों को बिस्किट के पैकेट वितरित किए गए। भारत विकास परिषद ने एक जानकारी देते हुए बताया कि उपरोक्त जनजागरण व परीक्षण शिविर प्रत्येक माह लगाया जाएगा। संभवत: अगले माह यह शिविर कन्या शाला स्कूल में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन परिषद के सचिव अनुराग जी शर्मा द्वारा किया गया।

गुर्जर समाज का सामूहिक विवाह 30 अप्रेल को

पिपलियामंडी, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गुर्जर समाज का 16 वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 30 अप्रेल को होगा। यह निर्णय समाज की पिपलियापंथ देवरे पर सम्पन्न हुई बैठक में लिया गया। जिसमें प्रतिपक्ष से 17500 रुपए लेने का निर्णय लिया। वहीं पिछले वर्ष हुए सामूहिक विवाह का आय-व्यय बजट भी प्रस्तुत किया। बैठक में संरक्षक मोहनलाल गुर्जर, रामलाल गुर्जर, मांगीलाल गुर्जर सहित समिति सदस्यगण उपस्थित रहे। संचालन सचिव अनिल गुर्जर ने किया।

जहां आस्था है, वहां विश्वास है, विश्वास के बिना जीवन में शांति संभव नही-दीक्षित

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा श्री सांई मंदिर माल गोदाम रोड मन्दसौर के सभागृह मे आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। श्री सत्य सांई प्रवक्ता पं.प्रकाश दीक्षित ने कहा कि जहां आस्था है वहां विश्वास है, विश्वास के बिना जीवन मे शांति संभव नही है। आपने कहा कि जिस व्यक्ति के मन में भक्ति और आचरण मे सदाचार है वह सदैव आनंद की अनुभूति करता है। प्रमुख वक्ता श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि कृतज्ञता मानवीय सद्गुण है कृतघ्नता मे इसका अभाव है। जो अपने प्रति किये गये सहयोग व उपकार को याद रखता है वह सेवा व परमार्थ की भावना को प्रोत्साहित करता है। तन, मन और आत्मा का बोझ अकाल मृत्यु का कारण बनता है। सीमितएसंतुलित एसात्विक आहार से स्वस्थ रहा जा सकता है। काम, क्रोध, मोह, लोभ से मुक्ति से मन बोझिल नही बनता है। सतत सत्कर्म से आत्मा की दिव्यता बनी रहती है। हिन्दी साहित्य संस्थान के अध्यक्ष श्री कृष्णकुमार जोशी ने कहा कि अच्छा या बुरा कोई कर्म छिपता नही है। इसलिये सदैव सत्कर्म करना चाहिये। श्री राजकुमार जसवंत, श्री कन्हैयालाल पण्ड्या, श्री यशवंत प्रजापति, श्री प्रहलाद मालवीय, श्री नरेन्द्रपालसिंह राणावत, ने विचार, गीत, भजन प्रस्तुत किये। श्री भेरूलाल पटेल, श्री राजेन्द्र छाजेड, श्री शंकरलाल त्रिवेदी, श्री प्रकाश चंदवानी, श्री निरंजन भारद्वाज, डॉ.रविन्द्र जोशी, श्री फकीरचंद गुर्जर, श्री अमृतराम सुनार्थी, श्री त्रिलोचनसिंह छाबडा ने संवाद मे सहभागिता की। आध्यात्मिक चेतना अभियान के संयोजक श्री विनोद शर्मा एडवोकेट ने स्वागत किया। श्री योगेन्द्र जोशी ने गतिविधियो की जानकारी दी। संचालन श्री रमेश ब्रिजवानी ने व आभार प्रदर्शन प्रकाश कल्याणी ने किया।

सुख और दुख जीवन के दो पहलू-पं. दशरथ भाई जी

संजय गांधी उद्यान में आयोजित श्रीराम कथा का हुआ विश्राम

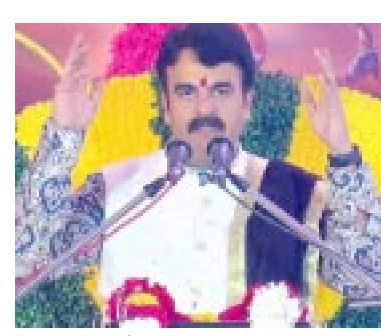

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सुयश रामायण मण्डल के तत्वावधान में संजय गांधी उद्यान में आयोजित श्री राम कथा में गुरुदेव दशरथ भाई जी ने व्यासपीठ से कहा जीवन रूपी नदियां के दो किनारे हैं। अनुकूलता की हवा चलने पर जीवात्मा सुख के किनारे हो जाता है और जीवन की प्रतिकूलता ही उसे दुख के किनारे लाकर खडा कर देती है। हर स्थिति में सत्संग तथा भगवान का नाम जीव को सम रहने का सामर्थ्य प्रदान करता है। हमें भगवान के चरित्र के माध्यम से जीवन जीने के ढंग को सीखना चाहिए। धर्म की स्थापना तथा साधु संतो की रक्षा हेतु राम 14 वर्ष की वनयात्रा प्रारंभ की।

आपने कहा कि हमें हमारी वेशभूषा , भोजन तथा संग पर ध्यान देना आवश्यक है , अन्यथा आने वाली पीढ़ी 5 जी के संक्रमण से ग्रसित होगी। गुरूदेव ने कहा कि सनातन धर्मावलंबियों को देवताओं के चित्रों को छापने से बचना चाहिए ताकि हमारे देवताओं के अपमान से हम बच सके। कथा के दौरान लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता ने व्यासपीठ का पूजन कर दशरथ भाई जी से आशीर्वाद लिया तथा सभा को संबोधित करते हुए राम कथा के महत्व को बताया। आपने कहा कि कथा से जीवन सुंदर बनता है राम सनातन के प्राण है। दशरथ भाई जी पूरे देश में राम कथा के माध्यम से दशपुर को गौरव प्रदान कर रहे है। आपने कहा कि पहली कथा विधि महाविद्यालय में हुई थी जिसमें भी मुझे आने का सौभाग्य मिला था तथा बीच में भी मुझे आने का मौका मिला तथा आज भी मैं कथा में आने सौभाग्य मिला है। राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने भी पौथी पूजन किया। आपने सुयश रामायण मंडल की प्रशंसा करते हुए कहा की धर्म के कार्य की निरंतरता को अगर सीखना है तो इस मंडल से सीखो लगातार 21 वर्ष तक धर्म की गंगा बहाना और राष्ट्र को सत्संग करवाना सनातन की उत्तम सेवा है । मैं सुयश रामायण मंडल से निवेदन करता हूं कि धर्म की गंगा आगे भी बहाते रहे इसे यहीं विराम ना दें और मैं भी इस मंडल का आज से सदस्य बनना चाहता हूं। इस अवसर पर कई लोगों ने सुयश रामायण मंडल के सदस्य बनने की बात कही।

विधायक विपिन जैन ने भी धर्म सभा को संबोधित किया और कहा कि राम की कथा सुनना और उसे जीवन में उतारना दोनो जीवन को सुंदर बनाते है। धर्म की गंगा सदैव बहती रहनी चाहिए। आपने यह कथा हर वर्ष आयोजित होना चाहिए उसमें मेरी ओर से हरसंभव सहयोग किया जाएगा। कथा में पौथी पूजन मुख्य यजमान पूर्व पार्षद सुरेश माया भावसार परिवार ने किया। कथा के दौरान भागवताचार्य प्रद्युम्न पाण्डेय, नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, भाजपा उत्तर मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत, जिला सहकारी बैंक पूर्व अध्यक्ष मदनलाल राठौर, पूर्व जनपद सीईओ राधाकृष्ण वाक्तरिया नगरी, डॉ. रोहित धाकड, डॉ. ज्योति धाकड चित्तौड़गढ़, अजय सोनी, उम्मेदसिंह किंतुखेड़ी, ईश्वरलाल घोडेला नरसिंहपुरा, केशवसिंह राठौर, त्रिभुवन कविश्वर किशोर शर्मा, राजा सोनी, राजकुमार शर्मा, अनिल शर्मा पिपलिया, गौरव अग्रवाल, अपूर्व सक्सेना, स्वदेशी जागरण मंच के अंकुश पालीवाल, कनिष्क शर्मा, किशन पाण्डेय, जय बजरंग सेना के सूरज बैरागी, आदित्य मारोठिया, शुभम सुरावत, सिंधी समाज के काका दृष्टनंद नैनवानी, वासुदेव सेवानी, दयाराम सेवानी, मनोहर नैनवानी, गिरीश भगतानी, डॉ. अभिजीत जैन, लोकेश जैन, उमेन्द्र जैन, दिनेश सोनी, प्रदीप सोनी, सहित बड़ी संख्या में धर्मालुजन उपस्थित थे।

तीन दिवसीय मां शिवना नदी पैदल यात्रा 28 से

शिवना नदी प्राकट्य स्थान सौंदर्यकरण के लिए कैबिनेट मंत्री को दिया ज्ञापन

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अग्रेसर विकास समिति टीम एवीएस मंदसौर के तत्वावधान में मां शिवना नदी के प्राकट्य स्थान गांव सेवना राजस्थान से भगवान पशुपतिनाथ मंदिर मंदसौर मध्य प्रदेश तक तीन दिवसीय शिवना नदी पैदल यात्रा का आयोजन दिनांक 28, 29, 30 दिसंबर को किया जा रहा है।

उक्त जानकारी देते हुए टीम एवीएस संरक्षक मनीष भावसार ने बताया कि शिवना नदी को प्रदूषण मुक्त कराने के लिए जन जागरूकता के लिए पैदल यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा का तीसरा वर्ष है। यात्रा 28 दिसंबर शिवना नदी के प्राकट्य स्थान गांव सेवना जिला प्रतापगढ़ राजस्थान से प्रारंभ होकर गांव चिकली, भचुण्डला, शिवना पड़ाव, बरखेड़ी, सेमल खेड़ा होकर मोबाखेड़ी पहुंचेगी जहां शिवना नदी का पूजन किया जाएगा। इसके पश्चात गांव डोराना खेड़ा, कोटडी, होरी हनुमान जी होते हुए नांदवेल यात्रा पहुंचेगी नांदवेल में यात्रा का रात्रि विश्राम रहेगा। दिनांक 29 दिसंबर को यात्रा नांदवेल से प्रात: 7:00 बजे प्रारंभ होगी नांदवेल से यात्रा प्रारंभ होकर भावगढ, बनी करजु, आकोदडा माताजी, नंदावता, करना खेड़ी पहुंचेगी जहां पर रात्रि विश्राम रहेगा। दिनांक 30 दिसंबर को यात्रा करना खेड़ी से प्रात: 7:00 बजे प्रारंभ होकर गांव जवासिया, डोराना, भालोट, अचेरा, मिर्जापुर, खिड़की माता होते हुए मंदसौर शहर की सीमा में प्रवेश करेगी। मंदसौर मंदसौर सीमा में प्रवेश करते हुए यात्रा रामघाट, सत्संग भवन, प्रतापगढ़ पुलिया सांखला भवन, कालाखेत, बस स्टैंड बालाजी, मंडी गेट होते हुए भगवान पशुपतिनाथ मंदिर शिवना नदी घाट पर शिवना जी का पूजा अर्चन आरती कर यात्रा का समापन होगा। साथ ही शिवना नदी को चुनर समर्पित की जाएगी। इस यात्रा का उद्देश्य गांव गांव में जन जागृति लाना और शासन प्रशासन को जगाना की शिवना नदी को प्रदूषण मुक्त करने में अपनी अहम भूमिका सक्रियता से निभाये। शिवना नदी यात्रा का यह तीसरा वर्ष है। गांव सेवना राजस्थान राजस्थान के सभी शिवना भक्तों के आग्रह पर टीम एवीएस ने अति प्राचीन हजारों वर्ष प्राचीन मंदिर और शिवना नदी के प्राकट्य स्थान को डेवलप और सौंदर्यीकरण करने के लिए ग्राम वासियों के आगरा पर संकल्प लिया है। जिसमें राजस्थान सरकार कैबिनेट मंत्री तथा प्रतापगढ़ विधायक हेमंत मीणा को प्रतापगढ़ पहुंचकर गांव सेवना की टीम के साथ पहुंचकर ज्ञापन दिया तथा मंत्री जी से आग्रह किया गया की शिवना नदी का प्राकट्य स्थान हजारों वर्ष प्राचीन होकर धार्मिक परंपरा वाला स्थान है उक्त स्थान का सौंदर्यकरण कर जो घाट समाप्त हो चुके हैं उनका पुनर्निर्माण किया जाए तथा एक पर्यटक स्थल के रूप में उक्त स्थान को डेवलप किया जाए। ज्ञापन देने वालों में मनीष भावसार, गोविंद मीणा, लक्ष्मण मीणा, सरपंच चुन्नीलाल मीणा महेश भावसार भावगढ़ सहित गांव के और भी गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। जिस पर कैबिनेट मंत्री हेमंत मीणा ने उक्त स्थान को विकास करने के लिए आस्वस्थ किया है।

क्रोध आने पर दूसरों को जलाने के पहले माचिस की काड़ी की तरह पहले खुद को जलना पड़ता है-संत अमृतरामजी

धर्मधाम गीता भवन में पंचदिवसीय गीता जयंती महोत्सव का हुआ समापन

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। धर्मधाम गीता भवन में पंचदिवसीय गीता जयंती महोत्सव के अंतिम समापन दिवस पर प्रमुख विद्वान संत स्वामी अमृतरामजी महाराज ने क्रोध के संबंध में कहा कि मन में जब हम किसी के प्रति क्रोध करते है तो जिस प्रकार माचीस की काडी दूसरों को जलाने से पहले खुद जल जाती है उसी प्रकार दूसरों पर क्रोध करने पर क्रोधाग्नि पहले हमें स्वयं को भस्म होना पड़ता है इसलिये हमें क्रोध पर नियंत्रण करना चाहिये।

जिस प्रकार बहुमंजिली इमारत पर चढ़ने के लिये सीढ़िया लिफ्ट होना चाहिये परन्तु उपर से एकदम नीचे गिरने में किसी की आवश्यकता नहीं होती उसी प्रकार जीवन के उत्कर्ष के लिये सत्संग, सद्गुरू, महापुरूषों का सानिध्य गीताशास्त्र कीआवश्यकता होती है परन्तु एक क्षण का कुसंग हमें पतन में गिरा देता है। अंत समय में हमारा जिस वस्तु अथवा व्यक्ति का चिंतन होता है दूसरे जन्म में फिर वही धारण करना पड़ता हैं उदाहरण के तौर पर आपने कहा कि एक साधु जीवन भर भगवान का भजन पूजन करता रहा परन्तु अंत समय में आश्रम में एक बैर के पेड़ पर लगे हुए पके बैर के फल में मन रहने से अगले जन्म में उसे बैर के फल में किड़ा (कीट) बनना पड़ा। शरीर जब तक स्वस्थ है शरीर में जब तक उर्जा है तभी तक हम उसके द्वारा भगवान का भजन स्मरण सत्संग कर सकते है। भगवान के नाम के जप का हर सम्प्रदाय, हर धर्म में विशेष रूप से राम जप पर जोर दिया गया है।

विधायक के हाथों गीता भवन के सेवाभावी हुए सम्मानित– 52वें गीता जयंती समारोह व 49वें गीता जयंती समारोह के समापन अवसर पर विशेष अतिथि क्षेत्र के विधायक श्री विपिन जैन ने गीता भवन ट्रस्ट की ओर से गीता भवन के सेवाभावी महानुभाव भोजन व्यवस्था समिति के श्री सुभाष अग्रवाल, गोपाल माली, रजनीश पुरोहित, संत सेवा में लगे पुजारी प. अभिषेक शर्मा, महिला सत्संग सेवा प्रमुख विद्या उपाध्याय, अंजू तिवारी, पुष्पा पाटीदार, पूजा बैरागी, रानू विजयवर्गीय, निर्मला माली, लाइट साउण्ड व्यवस्था प्रमुख, श्याम बैरागी को गीता भवन ट्रस्ट की ओर से शाल, पुष्पमाला से सम्मानित किया। इसके पूर्व विधायक श्री विपिन जैन ने संतों का अभिवादन किया। उधर वाल्मीकि समाज के प्रमुख श्री राजाराम तंवर ने अपनी ओर से शाल श्रीफल पुष्पमाला से सभी दस संतों का अभिनंदन किया। गीता भवन ट्रस्ट की और से उपाध्यक्ष जगदीश चौधरी, सचिव पं. अशोक त्रिपाठी ने विधायक श्री जैन ने स्वागत किया।

धर्मधाम गीता भवन निर्माण में दिवंगत आत्माओं का स्मरण किया– मंदसौर के सर्वधर्म समभाव का केन्द्र धर्मधाम गीता भवन के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने गीता भवन के सचिव अशोक त्रिपाठी ने दिवंगत महानुभाव का स्मरण करते हुए ब्रह्मलीन स्वामी श्री धर्मेन्द्रजी महाराज, वैष्णव सेनाचार्य स्वामी श्री रामकुमाराचार्य अनुरागी, सेठ नारायण मंगल, दानवीर सेठ गीता भवन हेतु भूमिदानदाता अमरचंदजी कोठारी, श्री वरदीचंद बसेर, पन्नालाल ठेकेदार, मन्नालाल नागदा, श्री छगनलाल चौबे, जगदीश चौबे, विनोद डोसी, पवन केवड़ा, मोहनलाल मरच्या, सेठ रामेश्वर काबला, सुरेश डगवार के समर्पण भाव से योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। ये वे दिवंगत महानुभाव के जिन्होंने ट्रस्ट में रहकर तन, मन व धन के साथ समय का दान करके गीता भवन में योगदान दिया। इनके अलावा गीता भवन के संस्थापक व वर्तमान अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय संत स्वामी रामनिवासजी महाराज के अनुपम योगदान अतुलनीय है। जिन्होंने भूमि प्राप्त करने से लेकर आज दिनांक के अनवरत गीता भवन के उत्थान के लिये समर्पित भाव से कार्य करते रहे है।

युवा पुलिस कप्तान अभिषेक आनन्द ने संतों का आशीर्वाद लिया– जिले के युवा पुलिस कप्तान अभिषेक आनन्द ने गीता भवन के समापन दिवस पर संत महात्माओं के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। गीता भवन के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी श्री रामनिवासजी ने जिले की सेवा करने का आशीर्वाद दिया। पुलिस कप्तान ने भगवान हनुमान जी के मंदिर में श्री गीतेश्वर बालाजी एवं भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य मंदिर में दर्शन किये तथा दर्शन से अभिभूत हुए।

अंतिम समय को सुधारने के लिए श्रीमद भागवत का श्रवण करना जरूरी- शास्त्री

मनासा, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। रामायण हमें जीना और भागवत मरना सीखती हे, हमें अपनी होने वाली मृत्यु को सुधारने के लिए जीवन में भागवत का श्रवण अवश्य करना चाहिए। राजा परीक्षित ने भी अपनी मृत्यु के श्राप के कारण सुखदेव जी से गंगा तट पर भागवत कथा का श्रवण किया प्रत्येक सनातनी को अपने चित को सुधारने के लिए व अपने अंतिम समय को सुधारने के लिए श्रीमद भागवत का श्रवण करना जरूरी होता है।

उक्त उदगार ख्यातनाम भागवताचार्य डॉ देवेंद्र शास्त्री ने बसेर परिवार द्वारा आयोजित भागवत कथा के दौरान बसेर निवास पर पत्रकारों से चर्चा करते हुवे कहे। आपने अभी मुद्दों पर व्यापक चर्चा करते हुवे अपने विचार व्यक्त किए। ग्लादेश में मंदिरों पर हिंदुओं, संतो व महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचारों के सवाल पूछे जाने पर आपने कहा की बांग्लादेश में अकारण हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार देख कर मन दिखी होता हे, जिस प्रकार हमारी पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान को सबक सिखाते हुवे उसके टुकड़े करते हुवे बांग्लादेश बनाया था आज वहीं परिस्थिति बांग्लादेश में दिखाई दे रही हे हमारे प्रधान मंत्री को इंदिरा गांधी जैसा कठोर कदम उठाना चाहिए। बांग्लादेश की घटना से देश वासियों में गहरा आक्रोश हे।शीघ्रता से उक्त समस्या का हल निकल आए। अपने मन की पीड़ा को व्यक्त करते हुवे उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों को जलाया जा रहा हे मंदिर के स्वामीजी को यातनाएं दी हरही हे बहन बेटियों पर अत्याचार हो रहे हे वहा की स्थिति देख कर मन विचलित होता हे। एक देश हे इजराइल छोटा सा देश हे किंतु अगर देश के नागरिक पर कोई हमला कर देता हे तो वह देश उस हमलावर को छोड़ता नहीं हे।समय आगया हे की देश के मुखिया को भी बांग्लादेश के खिलाफ कड़ाई से उचित ओर प्रभावी कार्यवाही करना चाहिए। अन्य धर्मों में अपने धर्म की शिक्षा दी जाती हे क्या सनातन धर्मवान भी वेद पुराण, रामायण, महाभारत आदि ग्रंथों की शिक्षा दीवाना जरूरी नहीं हे क्या पत्रकारों के इस सवाल का समर्थन करते हुवे आचार्य श्री शास्त्री ने कहा की यह हमारे परिवार के लिए बेहद जरूरी जब तक हम वेद पुराण, रामायण, आदि हमारे धार्मिक से नहीं जुड़ेंगे तब तक हमें शास्त्रों की महत्ता नहीं जन पाएंगे, हम अपने बच्चों को इन पवित्र ग्रंथों के बारे यह बता ही नहीं पाए की हमारे धर्म में कितने शास्त्र है व उनकी मर्यादा क्या हे।आज यह जरूरी हे की प्रारंभिक शिक्षा में वेद, पुराण, रामायण आदि ग्रंथों का समावेश जरूरी हे। गुरुजी ने बताया कि धर्मांतरण को रोकने के लिए हमारे द्वारा आदिवासी हिन्दू भाइयों को अन्य धर्मों में जनि से रोकनेक लिए बड़ा कार्य कर रहे हे जिसके का आज आदिवासी भाई अपने भगवान की पूजा अर्चना करने लगे हे।

हिंदू समाज में अलग अलग पंथों द्वारा धर्म को बांटने के सवाल पर अपने बताया की पंथ धर्म को बांटने का कार्य कभी नहीं करते हे सभी पंथों का एक ही मार्ग हे भक्ति के पोषण का कार्य सबके मन में राम से मिलाने कार्य। आप देखेंगे कि निकट भविष्य में सनातन का डंका बनेगा। युवापत्रकारों के युवा पीढ़ी में धूम्रपान, नशे की लत के साथ ही युवतियों के भी इसमें शामिल शामिल होने पर आप क्या संदेश देना चाहेगे आचार्य श्री ने युवाओं में विशेष कर लड़कियों में बढ़ रही नशे की लत पर गहरी चिंता करते हुवे कहा की युवा पीढ़ी को एक सुनियोजित साजिश के तहत धकेला जा रहा हे और युवा पीढ़ी इस साजिश से बेखौफ होकर अपना भविष्य अंधकार मय कर रही हे। युवा पीढ़ी तीव्र नशे के आदि होते जा रहे जिन पर अंकुश लगाना जरूरी हो गया हे पुलिस को चाहिए कि नशे के कारोबारियों की धरपकड़ जरूरी है। परिवार के मुखिया को भी इस नशे की लत से अपने होनहारों को दूर रखने वह उनके प्रति सावधानी रखने की जरूरत हे।

आदर्श ग्राम की परिकल्पना पर दिया गया ग्रुप प्रजेंटेशन

नीमच, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. जन अभियान परिषद के मुख्यमंत्री सामूदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के अंतर्गत समाज कार्य में स्नातक व स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों के लिए आदर्श ग्राम के विभिन्न आयाम विषय पर समूह प्रतियोगिता का आयोजन अध्ययन केन्द्र स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में किया गया। जिला समन्वयक वीरेन्द्र सिंह ठाकुर द्वारा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया गया एवं मेंटर्स द्वारा असाइनमेंट एवं अभियान अपलोड करने के बारे में बताया गया। तत्पश्चात आदर्श ग्राम के विभिन्न आयाम, एक आदर्श ग्राम कैसा होना चाहिए, विषयों पर प्रेजेंटेशन एव समूह गतिविधि हेतु कक्षा संचालक पवन कुमरावत द्वारा स्टूडेंट्स के चार ग्रुप बनाये गए एव मेंटर्स को ग्रुप का आवंटन किया गया। मेंटर्स सुश्री मीनू त्रिपाठी, पुनिता मेहरा, भागवन्तीम कुमरावत एवं विनोद राठौर के मार्गदर्शन में स्टूडेंट्स द्वारा ड्राइंग शीट पर आदर्श ग्राम के आयाम जैसे स्वच्छता, गो आधारित कृषि, शासकीय योजनाओं का प्रचार प्रसार, गांव में पुस्तकालय, विवाद मुक्त गांव, नशा मुक्त गांव, हरियाली युक्त, आदर्श खेल स्थान, व्यायाम शाला, आदर्श जन सुचना केंद्र आदी विषयों पर आदर्श ग्राम की परिकल्पना को विभिन्न् डायग्राम से उकेरा एव सभी के सामने ग्रुपवार प्रेजेंटेशन दिया गया। निर्णायकगण मेंटर्स द्वारा प्रेजेंटेशन के अवलोकन कर परिणाम घोषित किया गया जिसमें प्रथम स्थान ग्रुप क्र 4 ने, दिवितीय स्थान ग्रुप क्र 1 ने, तृतीय स्थाअन ग्रुप क्र 3 ने तथा प्रोत्सानहन स्थान ग्रुप क्रं. 2 ने प्राप्त किया।

पार्वती, काली सिंध, चंबल लिंक परियोजना के व्यापक प्रचार में हुआ मैराथन दौड़ का आयोजन

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नदी जोड़ो अभियान अंतर्गत पार्वती, काली सिंध, चंबल लिंक परियोजना के एमओए के उपलक्ष्य में मैराथन दौड़ का आयोजन प्रात: 8 बजे किया गया। दौड़ में बालक-बालिका दोनों वर्ग ने हिस्सा लिया। मैराथन दौड़ गांधी चौराहे से बीपीएल चौराहा, महाराणा प्रताप चौराहा, राम टेकरी होते हुए जल संसाधन विभाग कार्यालय में आकर रैली का समापन हुआ। पुरुष वर्ग में प्रथम मोहन धनगर, द्वितीय लोकेंद्र शक्तावत, तृतीय श्याम सिंह, चौथा दुर्गेश लश्कर, पांचवा मनीष सोलंकी, महिला वर्ग मे प्रथम स्थान प्रिया कुवर, द्वितीय स्थान हंसा, तीसरा रविंना कुंवर, चौथा सपना भाटी, पांचवा स्थान सरस्वती ने प्राप्त किया।

कार्यकर्म मे श्री विजेंद्र देवड़ा जिला खेल अधिकारी, एस डी ओ श्री समरथ पंवार एवं जल संसाधन विभाग के समस्त कर्मचारी वरिष्ठ नागरिक गण उपस्तिथ थे। एस डी ओ द्वारा नदी जोड़ो पार्वती कालीसिंध चम्बल लिंक परियोजना की जानकारी दी और जिले मे होने वाले योजना के फायदे के बारे मे बताया गया। इसके बाद विजेताओं को नगद राशि व शील्ड प्रदान की गयी।

शिवना मैया महाआरती कल शिवना घाट पर

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग श्री विजेंद्र डोडवे द्वारा बताया गया कि, भगवान पशुपतिनाथ मंदिर घाट पर शिवना मैया की महाआरती का आयोजन दिनांक 25 दिसम्बर बुधवार संध्या 6:30 बजे बनारस से होने वाली गंगा आरती की तर्ज पर किया जाएगा। आरती के साथ ही घाट पर दीप प्रज्वलन, लाइट शो, लैंप उड़ाना आदि आयोजन शामिल रहेंगे।आप सभी इस आयोजन में शामिल होकर दीप जलाकर, लैंप उड़ाकर, लाइट शो, महाआरती आदि में सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाए।

गुड़भेली गौशाला परिसर में 8 से होगी भागवत कथा

पिपलियामंडी, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गुड़भेड़ी बड़ी गांव में श्री महावीर गौशाला परिसर में 8 से 14 जनवरी तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन हुआ। भागवताचार्य भीमाशंकर शास्त्री कथा का वाचन करेंगे। आयोजन को लेकर समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें आयोजन को लेकर रुपरेखा बनाई गई व उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने विचार रखे। राज नागदा ने बताया यह आयोजन ग्रामवासियों व अंचलवासियों की ओर से रखा गया है, इसका मुख्य उद्देश्य गौमाता की सेवा के लिए आमजन को जागरुक करना है।

गृहमंत्री अमित शाह द्वारा की गई विवादित टिप्पणी को लेकर व कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर की गई गलत एफआईआर को वापस लेने को लेकर....

शहर व जिला कांग्रेस का प्रदर्शन आज

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। देश के गृहमंत्री अमित शाह के द्वारा राज्यसभा में संविधान निर्माता बाबासाहब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर दिए गए अपमानजनक बयान के विरोध में एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष माननीय श्री राहुल गांधी पर की गई झूठी एफआईआर के विरोध में सभी ब्लॉक कांग्रेस व जिला कांग्रेस के नेतृत्व में प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर एवं जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड ने बताया कि यह प्रदर्शन मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी के आह्वान पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जैन के नेतृत्व में दिनांक 24 दिसंबर 2024 मंगलवार को जिला एवं सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर द्वारा प्रात: 11.30 बजे मन्दसौर बाबासाहब डॉ भीमराव जी अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर गृह मंत्री अमित शाह के विरुद्ध प्रदर्शन किया जाएगा एवं झूठी एफआईआर वापस लेने के लिए महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम ज्ञापन दिया जाएगा। इस प्रदर्शन में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठनेता, जिला कांग्रेस के पदाधिकारी, ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष गण, सभी मोर्चा संगठन के अध्यक्ष, पदाधिकारी, मंडलम सेक्टर के सभी अध्यक्ष, पार्षद, व सभी कांग्रेस कार्यकर्ता गण भाग लेंगे। इस प्रदर्शन को सफल बनाने की अपील शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र सिंह तोमर, मंदसौर ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष विकास दशोरा, दलोदा ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष बसंती लाल सोलंकी, मल्हारगढ़ ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष अनिल शर्मा, संजीत ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष ईश्वरलाल धाकड, धुंधडका ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष गोपाल विश्वकर्मा, कयामपुर - नाहरगढ़ ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष ओम प्रकाश राठौर, सीतामऊ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेश पाटीदार, सुवासरा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कृपाल सिंह सोलंकी, शामगढ़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलेश जायसवाल, गरोठ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भवानी शंकर धाकड़, भानपुरा ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह हाडा, मेलखेड़ा ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष करण सिंह रावत आदि ने कांग्रेस पार्टी के सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से डॉ अंबेडकर चौराहा मन्दसौर पर समय पर पधार कर प्रदर्शन को सफल बनाने का आग्रह किया है।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने बांग्लादेश में हिन्दू भाईयों पर हो रहे अत्याचार के विरोध में...

प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन देकर बांग्लादेश में शांति सेना भेजने की मांग

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच प्रदेश व्यापी आव्हान के तहत प्रदेश संयोजक श्री फारूख खान व सह संयोजक श्री सय्यद अमजद अली के निर्देशानुसार मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्री शाकीर हुसैन गढ़वी के नेतृत्व में जिला संयोजक शकील खान नुरानी द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नाम जिला प्रशासन के प्रतिनिधि एसडीएम श्री शिवलाल शाक्य को बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू भाईयों के उपर हो रहे अत्याचार के विरोध में ज्ञापन देकर बांग्लादेश शांति सेना पहुंचाने की मांग की।

जिला संयोजक शकील खान नुरानी ने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से प्रधानमंत्रीजी से अनुरोध किया है कि इस्लाम शांति अमन भाईचारे का पैगाम देने वाला मजहब है। हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने पुरे विश्व को शांति और भाईचारे का संदेश दिया है। दुनिया के तमाम मुसलमान आपके बताए हुए रास्ते पर चलते हैं। वर्तमान समय में देखने में आ रहा है की पुरे विश्व में हर जगह कत्ल ए आम मचा हुआ है तथा भारत के पड़ोसी मुल्कों में भी राजनितिक अफरा तफरी का माहौल है और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों का दमन कर उनपर अत्याचार किया जा रहा है अभी हाल ही में देखने में आया है की बांग्लादेश में तख्ता पलट के बाद अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हिंसक घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है जिससे वहां के अल्पसंख्यक समाज को दबा कुचला जा रहा है मुस्लिम राष्ट्रीय मंच इन सभी घटनाओं का विरोध करता है और भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से ये मांग करता है की भारत से एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल बांग्लादेश पहुँचाया जाए और वहां की सरकार से बात करके शांति सेना पहुंचाई जाए और वहां हो रहे अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को खत्म कर उन्हें शांतिपूर्ण तरीके से जीवन गुजारने का रास्ता प्रदान करें।

इस अवसर पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राष्ट्रीय छात्र एवं मदरसा प्रकोष्ठ अजीजुल्लाह खान खालिद एडवोकेट, राष्ट्रीय पसमांदा मुस्लिम महासंघ के जिला संयोजक जुल्फीकार अली शाह, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच जिला मंत्री हमीद खान जनरेटर, नगर संयोजक सद्दाम गोरी, फकरूद्दीन सहित मंच के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आर्य समाज में श्रद्धा के साथ मनाया स्वामी श्रद्धानंदजी का बलिदान दिवस

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आर्य समाज मंदसौर में 23 दिसम्बर को स्वामी श्रद्धानंदजी का बलिदान दिवस पूर्ण श्रद्धा से मनाया गया। इस कार्यक्रम में हिमाचल से पधारे हुए क्रांतिकारी संत श्री आर्य नरेश जी द्वारा स्वामी श्रद्धानंदजी के जीवन पर प्रकाश डाला और छात्रावास के बच्चों को नैतिक शिक्षा संबंधी प्रवचन दिए। कार्यक्रम में बुढ़ा से पधारे हुए आचार्य मुकेश जी द्वारा स्वामी श्रद्धानंद जी के बारे में विस्तार से बताया और उनके बताये मार्ग पर चलने की शिक्षा दी। आर्य समाज के अध्यक्ष मधुसूदन आर्य द्वारा दोनों विद्वानों का फूल माला पुष्पहार से स्वागत किया गया एवं तत्पश्चात समस्त उपस्थित स्त्रोतों को स्वल्पाआहार वितरित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में धर्मालुजन एवं आर्य समाजजन उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डा.सुधीर रायजादा ने बताया कि महाविद्यालय मे भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के तहत महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जयन्ती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय आर्य जगत के प्रख्यात वक्ता क्रांन्तिकारी सन्त भूतपूर्व सिविल इंजीनियर आर्य प्रतिनिधि सभा हिमाचल प्रदेश के भूतपूर्व प्रधान श्री आर्य नरेशजी ने कहा कि वेद एक अरब छियानवे करोड वर्ष पुराना ग्रंथ है जो कि हमें जीवन जीने का गणित समझाता है जिस प्रकार प्रत्येक बाह्य उपकरण को चलाने के लिए कोई न कोई इंजीनियर चाहिए वैसे ही हमारे इस शरीर और मस्तिष्क को चलाने वाला ईश्वर है। वेदों में ईश्वर के पश्चात् माँ का नाम ही उल्लेखित है क्योंकि ईश्वर ने इस जगत को जन्म दिया और इस जगत में मनुष्य को जन्म देने वाली माँ है। माँ ही इस सनातन संस्कृति को सुरक्षित रख सकती है। वैदिक गणित संस्कृत में लिखी गई है जिसमें शाकाहारी मनुष्य की आयु 100 वर्ष बताई गई है। वेदों में उल्लेख है कि हम कभी भी उसका शिकार नहीं करते जिसे हम जन्म देते है। इस अवसर पर महर्षि दयानंद सरस्वतीजी के व्यक्तित्व पर बोलते हुए श्री आर्य नरेश जी ने कहा कि संसार के प्रत्येक कण पर किसी भी धर्म और भाषा की छाप नहीं लगी थी। सभी विद्यार्थियों को अपने आस-पास की घटनाओं की जानकारी होनी चाहिए। गणित दिवस के अवसर पर श्री रामानुजन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर डा.अखलाक मन्सूरी प्राध्यापक गणित द्वारा प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर उपस्थित छात्राओं को एक मोटिवेशन छायाचित्र दिखाया गया एवं क्विज प्रतियोगिता, पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। आयोजन में उपस्थित अतिथियों का स्वागत डा.पी.एल.पाटीदार द्वारा समस्त महाविद्यालय परिवार की ओर से किया गया। आयोजन में क्रांतिकारी संत श्री आर्य नरेशजी के साथ आर्य समाज के अनुयायी भी उपस्थित थे। आयोजन का संचालन डा.अनुराग आर्य द्वारा किया गया एवं आभार डा.राजश्री ठाकुर द्वारा माना गया।

पेंशनर समाज का वार्षिक सम्मेलन संपन्न

मनासा, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश पेंशनर समाज तहसील शाखा मनासा का वार्षिक सम्मेलन एवं सम्मान समारोह सरस्वती पूजन एवं सरस्वती वंदन के पश्चात गत वर्ष दिवंगत हुए सदस्यों को मोन श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

संगठन के अध्यक्ष देवीलाल शर्मा ने स्वागत भाषण एवं वर्ष भर की गतिविधियों की जानकारी देकर अपने उद्बोधन मे शासन से मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ राज्य पुनर्गठन आयोग 2000 की धारा 49 (6) को शीघ्र हटाये जाने की मांग की गई। समारोह के मुख्य अतिथि संगठन के प्रांता अध्यक्ष डी.पी.दुबे ग्वालियर, पुलिस पेंशनर संघ के प्रांत अध्यक्ष एमपी सिंह परिहार, सुरेंद्र कुमार स्थापक महासचिव, सी के बिश्नोई महासचिव .राधेश्याम टेलर प्रांतीय सचिव. पेंशनर समाज भानपुरा के ब्लॉक अध्यक्ष सीताराम संघेसिया, एवं मनासा संगठन के वरिष्ठसंरक्षक एवं साहित्यकार डॉ पूरन सहगल मंचासीन थे। समारोह की अध्यक्षता नीमच जिला अध्यक्ष जै.सी. गुजेटिया द्वारा की गई। उपरोक्त सम्मान समारोह में संगठन के आजीवन सदस्य जिन्होंने 75 वर्ष पूर्ण किए 13 सदस्यों का सम्मान शाल एवं श्रीफल द्वारा किया गया।

मंचासीन सभी पदाधिकारीयो एवं सदस्यों ने अपने उद्बोधन में संगठन की ताकत पर जोर देकर शासन के द्वारा किए जा रहे पेंशनरों के प्रति नीतियों पर असंतोष एवं आक्रोश व्याप्त किया। मुख्य अतिथि संगठन के प्रांता अध्यक्ष डी.पी. दुबे द्वारा अपने उद्बोधन में पेंशनर हित में की जा रही वर्ष भर की गतिविधियों की जानकारी देते हुए शासन के द्वारा पेंशनरों के प्रति की जा रही भेदभाव पूर्णनीतियो के प्रति असंतोष एवं आक्रोश व्याप्त कर आर- पार की लड़ाई लड़ने के लिए संघर्ष पर जोर दिया और बताया कि शासन से मांग करने के लिए दो ही रास्ते हैं।

प्रथम यह कि शांतिपूर्वक ज्ञापन देकर मांग करना। दूसरा यह कि शासन अगर नहीं सुने तो क्रांति द्वारा संघर्ष करके अपनी लड़ाई लड़ना चाहिए और अपनी मांग को मनवाना चाहिए। आपने शांतिपूर्वक ज्ञापन के माध्यम से प्रमुख मांग धारा 49 (6) हटाए जाने की मांग करते हुए कहा है कि इस धारा का कोई औचित्य नहीं है जिसका बहना बना कर सरकार पेंशनरों को विलंब से महंगाई राहत प्रदान कर रही है यह ठीक नहीं है। कार्यक्रम का संचालन राम प्रकाश गहलोत द्वारा किया गया एवं सरस्वती वंदना भगत राम चंदेल द्वारा की गई एवं पदम कुमार जैन ने आभार प्रकट किया। अंत में राष्ट्रीय गान के पश्चात समारोह का समापन किया तत्पश्चात सभी का सहभोज रखा गया।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	59	2244	2400
उडद	33	5100	6201
सोयाबीन	3130	3650	4350
गैहु	1486	2820	3200
चना	134	2713	6439
मसुर	90	5100	6017
धनिया	179	6001	7460
लहसुन	10000	12200	27500
मैथी	431	4210	5700
मुंगफली	2200	4400	5300
अलसी	942	5100	6086
सरसो	272	45000	5579
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	34	7652	12880
प्याज	12000	381	1500
कलोंजी	1	16999	16999
तुलसी बीज	2	10100	15891
डॉलर	11	5600	9860
तिल्ली	37	9300	12261
जौ	22	2500	2740
मटरसुखी	0000	0000	0000
असालीया	5	12551	13530
चियाबीज	354	11700	15360

खबर का असर...

जिला सहकारी बैंक शाखा सुवासरा में अनियमितताओं का खुलासा, कार्रवाई में देरी से उठे सवाल

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित मंदसौर की शाखा सुवासरा में अनियमितताओं का मामला सामने आया है। 11 दिसंबर को प्रकाशित समाचार में 'गुरु एक्सप्रेस' ने इस विषय को प्रमुखता से उठाया था, जिसमें शाखा के प्रबंधक और सहकारी निरीक्षक आर. पी. कुमावत पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। जांच में उन्हें नियमों का उल्लंघन करते हुए दोषी पाया गया, लेकिन विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई न होने के कारण यह मामला चर्चा का विषय बन गया है।

नेमीचंद राठौर

उप आयुक्त ने कार्रवाई में देरी पर उठाए सवाल–कार्यालय आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं, भोपाल ने उप आयुक्त सहकारिता मंदसौर को 20 दिसंबर 2024 को पत्र भेजकर कार्रवाई में देरी पर चिंता जताई। पत्र में उल्लेख किया गया कि गुरु एक्सप्रेस में प्रकाशित समाचार में विभाग की निष्क्रियता पर सवाल उठाए गए हैं। आयुक्त कार्यालय ने इस मामले की गहन जांच कर दोषियों पर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

अनियमितताओं की जांच रिपोर्ट –शाखा में आर. पी. कुमावत द्वारा किए गए कार्यों में नियमों की अनदेखी के कई मामले उजागर हुए। जांच रिपोर्ट के अनुसार, अनियमितताओं में वित्तीय प्रबंधन, ऋण स्वीकृति प्रक्रियाओं और कर्मचारियों की शिकायतों का निस्तारण शामिल है। यह जांच वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक टी. आर. गुन्द्रावत और उप-अकेक्षक हिमांगिनी शर्मा द्वारा की गई थी। उनकी रिपोर्ट में कुमावत को स्पष्टरूप से दोषी पाया गया।

उप आयुक्त सहकारिता का पक्ष–उप आयुक्त सहकारिता मंदसौर ने अपने जवाब में बताया कि सुवासरा शाखा के पांच कर्मचारियों ने प्रशासक आर. पी. कुमावत के खिलाफ 8 अगस्त 2024 को शिकायत दर्ज कराई थी। इसके आधार पर जांच शुरू की गई और 21 अगस्त को जांच अधिकारी नियुक्त किए गए। जांच रिपोर्ट अक्टूबर में ही भोपाल कार्यालय भेज दी गई थी, जिसमें अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की गई थी।

कर्मचारियों की शिकायत और स्थिति–शाखा के कर्मचारियों ने कुमावत पर वित्तीय अनियमितताओं के साथ-साथ प्रशासनिक मनमानी के आरोप लगाए थे। शिकायतकर्ताओं का कहना था कि बैंक के संचालन में कुमावत की नीतियों के कारण संस्थान को नुकसान हुआ। उन्होंने तत्काल कार्रवाई की मांग की थी।

विभागीय कार्रवाई का इंतजार–भोपाल आयुक्त कार्यालय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जांच रिपोर्ट के आधार पर जल्द से जल्द कार्रवाई की जाए और की गई कार्रवाई से भोपाल कार्यालय को अवगत कराया जाए। इसके बावजूद कार्रवाई में हो रही देरी से विभाग की छवि पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शाखा सुवासरा में अनियमितताओं का यह मामला विभागीय प्रक्रियाओं की धीमी गति और पारदर्शिता की कमी को उजागर करता है। यदि दोषि पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो सहकारी बैंकों में जनता का विश्वास कमजोर हो सकता है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि भोपाल और मंदसौर कार्यालय इस मामले में कितनी तत्परता दिखाते हैं।

सभी अधिकारी अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करें–राजावत

सुशासन सप्ताह अंतर्गत कलेक्टर कार्यालय सभागार में प्रसार कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सुशासन सप्ताह अंतर्गत कलेक्टर कार्यालय सभागार में एक दिवसीय प्रसार कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व एडीएम श्री नरेंद्र सिंह राजावत शामिल हुए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, सभी जिलाधिकारी मौजूद थे।

प्रत्येक वर्ष 25 दिसम्बर को सुशासन दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष भी भारत सरकार द्वारा 19 से 24 दिसम्बर 2024 तक सुशासन सप्ताह मनाया जा रहा है। सुशासन सप्ताह अंतर्गत 'प्रशासन गांव की ओर चलाया जा रहा है एवं जन समस्याओं का निराकरण किया जाकर अधिक से अधिक व्यक्तियों को सेवाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इस अवसर पर जिले में नवाचार करने वाले हितग्राहियों ने नवाचार के संबंध में अपने अनुभव बताए। धुंधडका गौशाला से श्री पाटीदार, धुंधडका के सरपंच जिन्होंने गौशाला में सोलर सिस्टम लगाया। पाली हाउस में पान खेती करने वाले अनिल बंबोरिया एवं दानेदार जैविक खाद बनाने वाले ईश्वर अटेला ने अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं पूर्व एडीएम श्री राजावत ने कहा कि सभी अधिकारियों एवं कर्तव्यों को अपने कर्तव्यों का भली-भांति निर्वहन करना चाहिए। किसी व्यक्ति को सही सलाह एवं मार्गदर्शन देना भी किसी सुशासन से कम नहीं है। सभी व्यक्तियों को समय का पाबंद होना चाहिए। समय पर ऑफिस का या कोई कार्य सभी समय पर करना चाहिए। योजनाओं को लोगों तक अच्छे से पहुंचाए। जितने भी अधिकारी कर्मचारी हैं वह सौभाग्यशाली हैं कि वे यहां बैठे हैं और लोगों की सेवा कर रहे हैं। सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन द्वारा

कहा गया कि निराश्रित गायों को गौशाला में छोड़ने के लिए लगातार कार्य किया जा रहे हैं। गाय इकोसिस्टम के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होती है, जो भी गाय पालने वाले मालिक हैं। उनको गायों को अच्छे देखभाल करनी चाहिए। गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाना हमारा प्रमुख लक्ष्य है। जिसमें धुंधडका गौशाला ने करके भी दिखाया है। भारत में रोड दुर्घटनाएं बहुत ज्यादा होती है। उसको रोकने के लिए भी हम सबको सार्थक प्रयास करने होंगे। अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा कहा गया कि, नियमों को अच्छे से पड़े। फिर कार्य करना चाहिए। कार्य को आसान तरीके से करने का प्रयास करना चाहिए। पहले समस्याओं को अच्छे सुने फिर उसका समाधान करें। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी नौकरी का सम्मान करना चाहिए। नौकरी के साथ-साथ निजी जीवन में भी बैलेंस बनाना बहुत जरूरी है। शासकीय सेवा में लोगों की सेवा करने का मौका मिलता है। छोटे से काम से अगर किसी का काम होता है तो वह करना चाहिए।

हनुमन्त कथा 29 से नरसिंहपुरा में

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 29 दिसम्बर से 4 जनवरी तक नरसिंहपुरा स्थित कुमावत धर्मशाला में पं. दिलीप व्यास के मुखारविन्द से श्री हनुमंत कथा का आयोजन होने जा रहा है। प्रतिदिन दोप. 1 से सायं 4 बजे तक संगीतमय सप्त दिवसीय श्री हनुमंत कथा होगी। 29 दिसम्बर को प्रात: 11 बजे श्रीराम जानकी मंदिर नरसिंहपुरा में भव्य पौथी यात्रा निकलेगी। 4 जनवरी को सायं 4 बजे कथा की विश्रांति होगी। श्री हनुमंत कथा के उपलक्ष्य मंन 30 दिसम्बर को शिव पार्वती विवाह, 1 जनवरी को हनुमान जन्मोत्सव, 3 जनवरी को सीता स्वयंवर व 4 जनवरी को हनुमानजी की लीलाओं कावर्णन श्रवण कराया जावेगा। श्री हनुमंत भक्त मण्डल, भागवत ज्ञान सागर सेवा समिति व जिला धार्मिक उत्सव समिति, श्री कृष्ण कामधेनु सामाजिक संस्था ने सभी भक्तजनों से कथा श्रवण करने का अनुरोध किया है।

केंद्र सरकार ने नो डिटेंशन पॉलिसी की खत्म

अब कक्षा 5 और 8वीं की परीक्षा में असफल छात्र नहीं होंगे प्रमोट

नईदिल्ली, 23 दिसम्बर। केंद्र सरकार ने आज यानी सोमवार, 23 दिसंबर 2024 को नो डिटेंशन पॉलिसी को खत्म कर दिया है। इस फैसले के तहत अब कक्षा 5 और 8 की वार्षिक परीक्षा में असफल छात्रों को प्रमोट नहीं किया जाएगा बल्कि उनको फेल कर दिया जाएगा।

केंद्र सरकार ने आज यानी सोमवार, 23 दिसंबर 2024 को नो डिटेंशन पॉलिसी को खत्म कर दिया है। इस फैसले के तहत अब कक्षा 5 और 8 की वार्षिक परीक्षा में असफल छात्रों को प्रमोट नहीं किया जाएगा बल्कि उनको फेल कर दिया जाएगा। स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के फैसले की जानकारी दी है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि आज हमने यह निर्णय लिया है कि पांचवीं और आठवीं में प्रयास करने के बाद भी डिटेंशन की जरूरत पड़े तो उसी के बाद डिटेन किया जाए।

इस निर्णय के पीछें क्या है सरकार का मकसद–इसमें यह भी प्रावधान किया है आठवीं कक्षा तक के स्कूलों से बच्चों को निष्कासित नहीं किया जाए। उन्होंने आगे कहा, हम चाहते हैं कि हर एक बच्चे के अंदर सीखने की इच्छा बढ़े और इसको प्रयास में लाने के लिए उन बच्चों पर ध्यान दिया जाएगा, जो पढ़ाई में किसी कारणवश अच्छे नहीं है। इसलिए उन पर विशेष ध्यान दिया जा सकेगा। रूल में बदलाव आने के बाद यह संभव हो पाएगा और बच्चों में सीखने की लगन बढ़ेगी। नो डिटेंशन पॉलिसी खत्म होने के बाद कक्षा 5 और 8 की वार्षिक परीक्षा में असफल छात्रों को फेल किया जाएगा। फेल छात्रों को दो महीने के भीतर पुन: परीक्षा का अवसर मिलेगा और इसमें भी फेल होने पर उन्हें अगली कक्षा में प्रोन्नत नहीं किया जाएगा। किसी भी छात्र को स्कूल से नहीं निकाला जाएगा।

दो महीने में दोबारा देना होगा एग्जाम–अब 5वीं और 8वीं कक्षा में फेल होने वाले छात्रों को रिजल्ट आने के दो महीने के अंदर दोबारा परीक्षा देने का मौका मिलेगा। लेकिन अगर वे दोबारा इस एग्जाम में फेल हो जाते हैं, तो उन्हें प्रमोट नहीं किया जाएगा। हालांकि ऐसे में कोई भी स्कूल 8वीं कक्षा तक किसी भी छात्र को बाहर नहीं कर सकता है।

साफ्टवेयर का प्रशिक्षण 26 को डाइट में

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा बताया गया कि, आगामी 03 माह में सेवा निवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों का IFMIS साफ्टवेयर पर ई-दक्ष केन्द्र बुनियादी प्रशिक्षण संस्थान मंदसौर में 26 दिसंबर को दोपहर 12.30 बजे प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। उक्त प्रशिक्षण में माह जनवरी 2025 से मार्च 2025 तक सेवा निवृत्त होने वाले शासकीय सेवको एंव संबंधित कार्यालय के पेंशन शाखा प्रभारी को IFMIS PENSION MOUDLES के समस्त गतिविधियों के संबंध में प्रशिक्षण दिया जावेगा।

बिजली विभाग के काम में डाली थी बाधा, अदालत ने 6 महीने की सजा सुनाई

सीतामऊ, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। बिजली विभाग के कर्मचारियों को विद्युत पोल लगाने से रोकते हुए अभद्र व्यवहार कर शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप में दोषी मानते अदालत ने आरोपियों को 6-6 माह सश्रम कारावास एवं 1000-1000 रुपये जुर्माने से दण्डित किया गया।

यह जानकारी अपर लोक अभियोजक विजय कुमार पाटीदार ने दी। उन्होंने बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश सीतामऊद्वारा आरोपी महेश पिता भंवरलाल भार्गव उम्र 50 वर्ष एवं शरद पिता भंवरलाल भार्गव उम्र 42 वर्ष निवासी सीतामऊको दंडित किया है। घटनाक्रम के अनुसार 04 सितम्बर 2013 को सहायक यंत्री पियुष पंवार एम.पी.ई.बी. कार्यालय सीतामऊ, लाईन इस्पेक्टर राधेश्याम परमार एवं लाईनमैन अफजल खां विद्युत पोल का निरीक्षण करने खेड़ा चौराहा सुवासरा रोड़ सीतामऊ गये थे। तभी सुबह करीब 10:30 बजे वे लोग मौके पर पहुंचे तो महेश, शरद एवं हरीश तीनों आये और पोल लगाने से रोकते हुए शासकीय कार्य नहीं होने दिया। जब लाईन इस्पेक्टर राधेश्याम ने समझाने की कोशिश की तो तीनों ने उसके साथ मारपीट कर जन से मारने की धमकी दी।

उल्लेखित प्रकरण में विचारण न्यायालय सीतामऊद्वारा आरोपियो को 12 अगस्त 2021 को दोषमुक्त किया गया था। उक्त दोषमुक्ति निर्णय से असंतुष्ट होकर अभियोजन द्वारा अपर सत्र न्यायालय में अपील प्रस्तुत की गई थी। जिसके आधार पर आरोपियो को शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप में दोनों को दोषी पाते हुए 6-6 माह सश्रम कारावास एवं 1000-1000 रू. जुर्माने से दण्डित किया।

नपा द्वारा वार्डो में जल गुणवता परीक्षण किया

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका परिषद् मंदसौर मध्यप्रदेश में अमृत शहरों में एक है जहाँ अमृत 2.0 योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। नगर पालिका परिषद् मंदसौर डे-एन.यू.एल.एम .योजना की महिला स्वसहायता समूहों- अमृत मित्रों द्वारा निकाय के वार्डो में जल गुणवत्ता की जाँच हेतु जल गुणवत्ता परीक्षण किया जा रहा है। अमृत 2 योजना अंतर्गत महिला स्वसहायता समूहों द्वारा जल गुणवत्ता का परीक्षण करने का मुख्य उद्देश्य पीने के पानी की गुणवत्ता की जाँच करने के साथ साथ वार्डो के नागरिकों को स्वच्छ पीने के पानी के महत्व प्रति जागरूक करना भी है।

नवगठित मंडल रेल सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नवगठित मंडल रेल सलाहकार समिति की प्रथम बैठक सोमवार को रतलाम आफिस में आयोजित की गई, जिसमें जिसमें मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता के नामित प्रतिनिधि सदस्य राजदीप परवाल ने सहभागिता कर संसदीय क्षेत्र में रेल विकास एवं सुविधाओं में वृद्धि को लेकर चर्चा की एवं कई सुझाव देते हुए विभिन्न मांगे रखी। राजदीप परवाल द्वारा चर्चा करते हुए कहा कि उज्ञैन चित्तौड़ पैसेंजर 09331-32 पैसेंजर ट्रेन के रूप में संचालित हो रही है अत: उसका ठहराव ढोढर, कचनारा, दलौदा, पिपलिया, मल्हारगढ एवं हरकिया खाल स्टेशनों पर ठहराव दिया जाए। इसी के साथ ही रतलाम उदयपुर एक्सप्रेस 19327-28 का चित्तौड़ में मेवाड़ एक्सप्रेस से मिलान सुनिश्चित करने के लिए 15 मिनिट पूर्व चित्तौड़ पहुंचाया जाए, ताकि दिल्ली जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिल

सके। उन्होने कहा कि कुछ महीनों में दोहरीकरण कार्य पूर्ण होने वाला है। इसलिए अभी से इंदौर से व्हाया रतलाम मंदसौर नीमच होकर दिल्ली जम्मू सहित उत्तर भारत के लिए ट्रेनों के प्रस्ताव बनाए जाए। लंबी दूरी की ट्रेनों की कनेक्टिविटी मिले इसके लिए रतलाम चित्तौड़ डेमू 09500 को शाम को समय से आधे घंटे पूर्व रतलाम पहुंचाया जाए। ग्वालियर भिंड -रतलाम ट्रेन को नीमच तक बढ़ाया जाए। मंदसौर नीमच होकर समय-समय पर स्पेशल ट्रेन के रूप में चलने वाली इंदौर भिवानी ट्रेन को नियमित किये जाने का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजा जाए। भीलवाड़ा-रतलाम-इंदौर डेमू ट्रेन में लगने वाले एक्सप्रेस के किराए को लोकल का किराए किया जाए। बंद हो चुकी इंदौर जयपुर लिंक एक्सप्रेस के स्थान पर व्हाया फतेहाबाद रतलाम-मंदसौर-नीमच-जयपुर के लिए नई ट्रेन चलाई जाए। अमृत भारत योजना के तहत मंदसौर और नीमच में चल रहे विकास कार्यों के तहत पिक एन ड्रॉप की अलग लेन और आने जाने के अलग-अलग मार्ग बनाए जाए। मंडल को ईएमयू की नई रैक मिली है। उस रैक से सुबह चित्तौड़ से प्रारम्भ करके व्हाया नीमच मंदसौर रतलाम उज्ञैन के लिए नई पैसेंजर ट्रेन चलाई जाए। डेमू के सभी रैक काफी पुराने हो चुके है।

अखिलभारतीय कश ट्रॉफी फुटबॉल स्पर्धा आज से

मंदसौर, 23 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। खेल प्रेमी स्वर्गीय विनोद जी गर्ग (भाई साहब) द्वारा शुरू किए गए दिवंगत फुटबॉल खिलाड़ियों स्वर्गीय जितेंद्र सिंह मसराम और स्वर्गीय गौरव गिरवाल स्मृति कश ट्रॉफी अखिल भारतीय फुटबाल टूर्नामेंट आज से शुरू होने जा रहा है। चंबल फुटबॉल क्लब द्वारा आयोजन संबंधी सभी कार्यवाही पूरी कर ली है। प्रथम दिन 2 मैच होंगे जिसमें पहला मैच दोपहर 1:00 बजे पंजाब पुलिस और यंग आदिवासी क्लब, इंदौर के बीच होगा उसके बाद द्वितीय मैच दोपहर 3:00 बजे एन एफ ए, नीमच और करनी क्लब, बीकानेर के बीच खेला जाएगा।

आयोजन का शुभारंभ 2:30 बजे होगा। उदघाटन समारोह में मुख्य अतिथि सांसद श्री सुधीर गुप्ता, मंदसौर की प्रथम नागरिक नगरपालिका अध्यक्षा श्रीमती रामादेवी गुर्जर, मंदसौर पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनन्द, जनभागीदारी अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी, जिला खेलाधिकारी श्री विजेंद्र देवड़ा, मध्य प्रदेश फ़ुटबाल संघ के सचिव श्री अमित रंजन देव एवं फ़ीफ़ा मैच कमिश्नर कर्नल श्री गौतम कार उपस्थित रहेंगे। चंबल फुटबॉल क्लब और जिला फुटबॉल संघ मंदसौर के सभी नागरिकों से निवेदन करता है कि फुटबॉल के इस महाकुंभ में अपने परिवार सहित पधार कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें और आयोजन को सफल बनाएं।

मंडी में गिरे प्याज ...

पेज 1 से जारी

आम आदमी के घर का बजट बिगड़ रहा है। एक सामान्य व्यक्ति के घर में हरी सब्जी व भोजन सामग्री में रोज करीब 200 से 500 ग्राम प्याज का उपयोग होता है। अधिक दाम से आम आदमी को अधिक खर्च करना पड़ रहा है। व्यापारियों के अनुसार इन दिनों महाराष्ट्र के नासिक व गुजरात के महुआ भावनगर से प्याज की बंपर आवक हो रही है। दोनों राज्यों में नया प्याज आ गया है। इन बड़ी मंडियों में रोज डेढ़ से दो लाख बोरी प्याज पहुंच रहा है। इससे मांग में कमी आई है। यही कारण है कि 4-5 दिन से दाम में गिरावट है। प्याज के भाव में अब जनवरी में तेजी आ सकती है।

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र, उज्जैन

दूरभाष नं.-0734-2524462, ई-मेल-cepwdujjain@mp.nic.in

निविदा सूचना क्रं.06/सामान्य/मु.अ./2024-25/ उज्जैन, दिनांक-09.12.2024

****** निविदा सूचना ******

निम्नलिखित कार्यो हेतु प्रतिशत दर के आधार पर निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	जिला	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	कार्य की समयावधि
1	2	3	4	5	6
1	मंदसौर	2024_PWDRB_387062_pack1	हरसोल से आवना काचरिया से इरली से काल्याखेड़ी खड़पालिया पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 11.20 किमी।	1148.53	18 माह वर्षाकाल सहित
2	मंदसौर	2024_PWDRB_387063_pack1	अरनियामीणा से सिंदपन कामलिया मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 5.50 किमी	641.14	12 माह वर्षाकाल सहित
3	मंदसौर	2024_PWDRB_387064_pack1	बरखेड़ा डांगी से सुदवास पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 2.70 किमी, दोबड़ा से रुपारेल मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 2.70 किमी।	641.82	12 माह वर्षाकाल सहित
4	मंदसौर	2024_PWDRB_387065_pack1	लसुड़ावन से भाटरेवास मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 5.70 किमी।	559.98	12 माह वर्षाकाल सहित
5	मंदसौर	2024_PWDRB_387066_pack1	उमरान से छाछखेड़ी पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 3.00 किमी, बालागुड़ा से सुजानपुरा मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 2.40 किमी, खाखरियाखेड़ी से चौथखेड़ी मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 1.20 किमी.।	727.71	12 माह वर्षाकाल सहित
6	मंदसौर	2024_PWDRB_387068_pack1	मिण्डलाखेड़ा से हनुमंतिया मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 2.00 किमी, आवना काचरिया से चंदरपुरा मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 2.20 किमी, खेड़ाखदान से कनघटी फंटा से सड़क मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 2.50 किमी	690.23	12 माह वर्षाकाल सहित
7	मंदसौर	2024_PWDRB_387071_pack1	धाकड़पिपलिया से ऐरा निपानिया मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 5.50 किमी	556.97	12 माह वर्षाकाल सहित
8	शाजापुर	2024_PWDRB_387073_pack1	मोदीपुर जोड़ (आम) से घनसौदा मार्ग लम्बाई 6.30 किमी का निर्माण मय पोल शिफ्टिंग कार्य।	548.53	12 माह वर्षाकाल सहित

उपरोक्त वेबसाईट ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं ऑनलाईन बिड सबमिशन की अंतिम दिनांक 26.12.2024 सायं 5.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र, उज्जैन

G-20730/24

नाम परिवर्तन संबंधी जाहिर सूचना

मै येधेय खींची पिता धीरज खींची सरपरस्त धीरज खींची पिता जगदीश खींची निवासी खटीक मोहल्ला, बालागंज मंदसौर सर्वसाधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित करता हूं कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड, समग्र आईडी, शैक्षणिक संस्था में नाम येधेय खींची दर्ज है। जिसके स्थान पर परिवर्तित करके नया नाम युवान खींची घोषित किया है। आज दिनांक से भविष्य में मेरे पुत्र को युवान खींची के नाम से जाना पहचाना एवं पुकारा जावें। सो सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है।

पुराना नाम व हस्ताक्षर
येधेय खींची
सरपरस्त धीरज खींची

नया नाम व हस्ताक्षर
युवान खींची
सरपरस्त धीरज खींची

** नाम परिवर्तन **

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि में शब्बीर ने अपना नाम परिवर्तन कर शब्बीर हुसैन वकील साहेब पिता हातिम भाई वकील कर लिया है अत: आइन्दा आगे से मुझे अपने नए नाम शब्बीर हुसैन वकील साहेब पिता हातिम भाई वकील के नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

पता-77, वार्ड नं. 28 नियर मोहम्मदी मस्जिद बोहरा बाखल मंदसौर

चलो प्रयाग राज महाकुंभ

10 जनवरी श्री महादेव तीर्थ यात्रा मंदसौर द्वारा किराया मात्र 8501/-

स्लीपर बस द्वारा

****** संपर्क करें ******

महेश परमार 7470433491, 9575987517

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी गाँधी नगर मंदसौर स्थित भवन क्रमांक MIG.I-54 श्री वासुदेव सोलंकी पिता श्री रामलाल सोलंकी को मण्डल आदेश क्रमांक- 1006 दिनांक 05.10.2012 द्वारा नामांतरित किया गया था। उक्त भवन विक्रय विलेख दिनांक 12.04.2017 को उप-पंजीयक कार्यालय में निष्पादित करवाया गया था। श्री वासुदेव सोलंकी पिता श्री रामलाल सोलंकी द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्री इकबाल हुसैन पिता श्री मोहम्मद खां नियारगर को कर विक्रय पत्र दिनांक 24.02.2018 को इनके पक्ष में उप पंजीयक कार्यालय में पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्री इकबाल हुसैन पिता श्री मोहम्मद खां नियारगर अपने नाम करवाना चाहते है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामान्तरण श्री इकबाल हुसैन पिता श्री मोहम्मद खां नियारगर के नाम कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आंवासीय कॉलोनी किटियानी मंदसौर स्थित भवन क्रमांक MIG.I-449 श्री श्याम मोहन शुक्ला पिता श्री लक्ष्मीनारायण शुक्ला को वर्ष 1993 में आवंटित किया गया था। इनके द्वारा अपने पुत्र श्री संजय शुक्ला पिता श्री श्याम मोहन शुक्ला का नाम विक्रय विलेख में जुडवाकर दिनांक 19.04.2004 को विक्रय विलेख पंजीबद्ध करवाया गया था। श्री श्याम मोहन शुक्ला पिता श्री लक्ष्मीनारायण शुक्ला का स्वर्गवास दिनांक 30.01.2012 को हो जाने से इनके पुत्र श्री संजय शुक्ला अपने पिता का नाम विलोपित करवाते हुए भवन का नामान्तरण अपने नाम पर करवाना चाहते है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन का नामांतरण श्री संजय शुक्ला पिता श्री श्याम मोहन शुक्ला के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आंवासीय कॉलोनी किटियानी मंदसौर स्थित भवन क्रमांक MIG.C-06 श्री कैलाश चन्द्र भारतीय पिता श्री हरिश्चन्द्र भारतीय मण्डल आदेश क्रमांक 965 दिनांक 17.06.2020 द्वारा नामांतरित किया गया था। श्री कैलाश चन्द्र भारतीय पिता श्री हरिश्चन्द्र भारतीय द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्री देवेश कुमार पाटीदार पिता श्री रामचन्द्र पाटीदार को कर विक्रय पत्र दिनांक 01.06.2020 इनके पक्ष में पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। उपरोक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामान्तरण श्री देवेश कुमार पाटीदार पिता श्री रामचन्द्र पाटीदार अपने नाम पर करवाना चाहते है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्जा हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामांतरणं श्री देवेश कुमार पाटीदार पिता श्री रामचन्द्र पाटीदार के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नहीं होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in